www.tamsasanket.com
वर्ष: 05 || अंक 351 || लखनऊ
शनिवार
28 मार्च 2026 || पृष्ठ: 04 || मूल्य: ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक
तमसा संकेत

डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदय: 06:02
सूर्यास्त: 06:21
अधिकतम: 33°00
न्यूनतम: 21°00

विशेष समाचार
अब युद्धविराम को लालायित ट्रंप... >> पेज 02
मल्टीलेवल पार्किंग पर ₹10 लाख... >> पेज 04
रणबीर की फिल्म 'रामायण' को लेकर...

एयरफोर्स को एस-400 मिसाइल डिफेंस और आर्मी को धनुष गन सिस्टम मिलेंगे

सरकार ने 2.38 लाख करोड़ के रक्षा प्रस्ताव मंजूर किए

एयरफोर्स को ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट मिलेंगे

भारतीय वायुसेना के लिए मीडियम ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट, एस-400 मिसाइल सिस्टम, रिमोटली पायलटेड स्ट्राइक एयरक्राफ्ट और एसयू-30 इंजन ओवरहाल को मंजूरी दी गई।

- नए ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट एएन-32 और आईएल-76 की जगह लेंगे।
- एस-400 सिस्टम लंबी दूरी के हवाई खतरों से सुरक्षा देगा।
- ड्रोन स्ट्राइक एयरक्राफ्ट से ऑपरेशनल और सर्विलांस क्षमता बढ़ेगी।
- एसयू-30 इंजन अपग्रेड से विमानों की लाइफ बढ़ेगी।

कहां तैनात हैं एस-400?

एस-400 की एक स्क्वाड्रन में 256 मिसाइल होती हैं। भारत के पास इस वक्त 3 स्क्वाड्रन हैं, जिन्हें अलग-अलग तरफ की सीमाओं पर तैनात किया गया है।

- ***पहली स्क्वाड्रन*** *– पंजाब में तैनात की गई है। भारत को पहली 2021 में रूस ने पहली स्क्वाड्रन सौंपी थी। यह पाकिस्तान और चीन दोनों की ओर से आने वाले खतरों को रोकने के लिए है।*
- ***दूसरी स्क्वाड्रन*** *– सिक्किम (चीन सीमा) में तैनात है। भारत को यह खेप जुलाई 2022 में मिली थी। यहां से चिकन नेक पर भी निगरानी रखी जाती है।*
- ***तीसरी स्क्वाड्रन***– *राजस्थान-गुजरात या पंजाब/राजस्थान सीमा पर तैनात है। भारत को यह खेप फरवरी 2023 में मिली। इस स्क्वाड्रन से पश्चिमी सीमा की सुरक्षा मजबूत होती है।*

एस-400 ने ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तानी मिसाइलों को खत्म किया

जिसने ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान की ओर से किए गए ड्रोन और मिसाइल हमलों को हवा में ही मारकर नाकाम किया था।

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई रक्षा अधिग्रहण परिषद (DAC) की बैठक में करीब 2.38 लाख करोड़ रुपए के रक्षा खरीद प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इस प्रस्ताव में आर्मी, एयरफोर्स और कोस्ट गार्ड के लिए कई अहम सिस्टम और प्लेटफॉर्म शामिल हैं। सेना के लिए एयर डिफेंस ट्रैक्ड सिस्टम, आर्मर पियर्सिंग टैंक गोला-बारूद, हाई कैपेसिटी रेडियो रिले, धनुष गन सिस्टम और रनवे इंडिपेंडेंट एरियल सर्विलांस सिस्टम को मंजूरी मिली। वित्त वर्ष 2025-26 में DAC अब तक 55 प्रस्तावों को मंजूरी दे चुका है, जिनकी कुल लागत 6.73 लाख करोड़ रुपए है। इसी दौरान 503 डिफेंस डील भी साइन की गई हैं, जिनकी कीमत 2.28 लाख करोड़ रुपए है। सरकार के मुताबिक यह किसी एक वित्त वर्ष में अब तक का सबसे बड़ा रक्षा खरीद और मंजूरी का आंकड़ा है। इंडियन कोस्ट गार्ड के लिए हेवी ड्यूटी एयर कुशन व्हीकल्स (होवरक्राफ्ट) को मंजूरी दी गई है। इनका उपयोग तटीय गश्त, सर्च एंड रेस्क्यू और लॉजिस्टिक्स सपोर्ट में किया जाएगा। होवरक्राफ्ट एक ऐसा वाहन होता है जो जमीन, पानी, कीचड़, बर्फ हर सतह पर चल सकता है। यह नीचे की ओर हवा का दबाव (एयर कुशन) बनाकर सतह से थोड़ा ऊपर उठकर चलता है, इसलिए घर्षण बहुत कम होता है। इसमें लगे शक्तिशाली फैन नीचे हवा भरते हैं। यह हवा कुशन बनाती है, जिससे वाहन सतह से ऊपर उठ जाता है। फिर प्रोपेलर या इंजन इसे आगे बढ़ाते हैं। ये सिस्टम फाइटर जेट, बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइल, ड्रोन और स्टेल्थ विमानों तक को मार गिरा सकता है। ये हवा में कई तरह के खतरों से बचाव के लिए एक मजबूत ढाल की तरह काम करता है। दुनिया के बेहद आधुनिक एयर डिफेंस सिस्टम में इसकी गिनती होती है।

एस-400 सिस्टम की खासियत...

- S-400 की सबसे बड़ी खासियत इसका मोबाइल होना है। यानी रोड के जरिए इसे कहीं भी लाया ले जाया जा सकता है।
- इसमें 92N6E इलेक्ट्रॉनिकली स्टीयर्ड फेज्ड ऐरो रडार लगा हुआ है जो करीब 600 किलोमीटर की दूरी से ही मल्टीपल टारगेट्स को डिटेक्ट कर सकता है।
- ऑर्डर मिलने के 5 से 10 मिनट में ही ये ऑपरेशन के लिए रेडी हो जाता है।
- S-400 की एक यूनिट से एक साथ 160 ऑब्जेक्ट्स को ट्रैक किया जा सकता है। एक टारगेट के लिए 2 मिसाइल लॉन्च की जा सकती हैं।
- S-400 में 400 इस सिस्टम की रेंज को दर्शाता है। भारत को जो सिस्टम मिल रहा है, उसकी रेंज 400 किलोमीटर है। यानी ये 400 किलोमीटर दूर से ही अपने टारगेट को डिटेक्ट कर काउंटर अटैक कर सकता है। साथ ही यह 30 किलोमीटर की ऊंचाई पर भी अपने टारगेट पर अटैक कर सकता है।

होवरक्राफ्ट की खासियतें

- **ऑल-टेरेन क्षमता :** पानी, जमीन, दलदल, बर्फ हर जगह चल सकता है
- **तेज और स्मूथ मूवमेंट :** कम घर्षण के कारण तेज गति
- **एम्फीबियस :** बिना रुके पानी से जमीन पर जा सकता है
- **कम इंफ्रास्ट्रक्चर की जरूरत :** सड़क या रनवे की जरूरत नहीं
- **आपदा राहत में उपयोगी :** बाढ़ या कठिन इलाके में राहत कार्य आसान

पीएम की मिमिक्री करने वाले टीचर के सस्पेंशन पर रोक

ग्वालियर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मिमिक्री वाले वीडियो पर सस्पेंड किए गए शिक्षक को मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ से राहत मिली है। कोर्ट ने कहा कि सस्पेंशन का अधिकार होना पर्याप्त नहीं, उसका इस्तेमाल विवेकपूर्ण और ठोस आधार पर होना चाहिए। अदालत ने निलंबन आदेश पर रोक लगाते हुए मामले को दोबारा विचार के लिए संबंधित अधिकारी के पास भेज दिया। मामला शिवपुरी जिले के प्राथमिक शिक्षक साकेत कुमार पुरोहित का है, जिन्हें 13 मार्च 2026 को फेसबुक पर वीडियो पोस्ट करने के बाद निलंबित किया गया था। वीडियो में उन्होंने गैस सिलेंडर के बढ़ते दामों पर टिप्पणी करते हुए प्रधानमंत्री की मिमिक्री की थी। पिछोर से भाजपा विधायक प्रीतम लोधी की शिकायत के बाद विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए शिक्षक को निलंबित कर बीईओ कार्यालय बदरवास से अटैच कर दिया।

पेट्रोल पंपों पर लाइनें, गोंडा में धक्का-मुक्की

सरकार बोली- अफवाह फैलाई तो एक्शन लेंगे

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ, लखनऊ, झांसी, कौशांबी। यूपी में कई पेट्रोल पंपों पर लाइनें लगी हैं। पेट्रोल-डीजल खत्म होने की अफवाह के चलते तीसरे दिन यानी शुक्रवार को भी लोग बड़े-बड़े डिब्बे और ड्रम लेकर पेट्रोल-डीजल भरवाने पहुंच रहे हैं। भीड़ की वजह से घंटों इंतजार भी करना पड़ रहा है। लखनऊ के कठौता चौराहे पर पेट्रोल-डीजल के लिए 500 मीटर लंबी लाइन लगी है। गोंडा के धानेपुर में एक पेट्रोल पंप पर डीजल लेने के लिए जमकर धक्का-मुक्की हुई। लाइन में आगे पहुंचने के चक्कर में कुछ लोग आपस में भिड़ गए। एक-दूसरे को खींचकर लाइन से बाहर निकालते दिखे।

योगी सरकार ने गुरुवार को साफ किया कि ईंधन की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है। पेट्रोल-डीजल को लेकर किसी भी तरह की चिंता की जरूरत नहीं है। स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। प्रमुख सचिव खाद्य एवं रसद विभाग रणवीर प्रसाद ने बताया- कहीं भी संकट जैसी स्थिति नहीं है। सभी जिलों में मांग के अनुसार, पेट्रोल-डीजल उपलब्ध कराया जा रहा है।

ईरान ने मिसाइलों पर थैंक्यू इंडिया लिखा, इजराइल पर दागीं

इन पर पाकिस्तान का भी नाम, जंग में समर्थन पर आभार जताया

हमला

तमसा संकेत, एजेंसी

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन। ईरान ने इजराइल पर 83वीं बार मिसाइल हमला किया। इस बार मिसाइलों पर थैंक्यू इंडिया लिखकर भेजा गया। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में दिखा कि ईरानी सैनिक मिसाइलों पर थैंक्यू पीपल ऑफ इंडिया लिख रहे हैं। इसी तरह स्पेन, पाकिस्तान और जर्मनी के लिए भी संदेश लिखे गए। ईरान ने कहा कि यह कदम उन देशों के प्रति आभार जताने के लिए है जिन्होंने उसका समर्थन किया। ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड

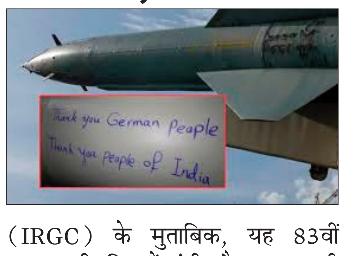

(IRGC) के मुताबिक, यह 83वीं स्ट्राइक थी, जिसमें लंबी और मध्यम दूरी की मिसाइलें और ड्रोन इस्तेमाल किए गए। हमलों में इजराइल के ठिकानों के साथ खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को भी निशाना बनाया गया। बहरीन में पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम से जुड़े एक ठिकाने पर हमला होने का दावा किया गया है।

>> (शेष पेज 04 पर)

चीन बोला- अमेरिका-ईरान के बीच बातचीत जरूरी

चीन ने अमेरिका और ईरान से बातचीत शुरू करने की अपील की। विदेश मंत्री वांग यी ने कहा कि शांति वार्ता आसान नहीं, लेकिन यही तनाव कम करने का रास्ता है। उन्होंने कहा कि बातचीत से होर्मुज जलडमरूमध्य में सामान्य नेविगेशन बहाल हो सकता है, जो वैश्विक व्यापार के लिए अहम है। चीन ने पाकिस्तान की मध्यस्थ के तौर पर भूमिका का समर्थन किया। वांग यी ने पाकिस्तान के विदेश मंत्री से बातचीत में कहा कि दोनों देश मिलकर सीजफायर और शांति वार्ता को आगे बढ़ाने की कोशिश करेंगे।

फास्ट न्यूज

श्रीनगर-लेह हाईवे पर एवलांच, 6 की मौत

नई दिल्ली/लखनऊ। जम्मू-कश्मीर में श्रीनगर-लेह हाईवे पर शुक्रवार दोपहर 4 बजे एवंलाच आया। जोजिला पास के जीरो पॉइंट के पास हुए हादसे में कई कार 4-6 फीट बर्फ में दब गईं। कार सवार 6 लोगों की मौके पर मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, घटना के तुरंत बाद रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया है। 5 लोगों को बचा लिया गया है, उनका अस्पताल में इलाज जारी है।

महाराष्ट्र में एक और बाबा पर रेप केस

मुंबई। महाराष्ट्र के पालघर जिले में एक स्वयंभू बाबा के खिलाफ रेप का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने खुद को भगवान शिव का अवतार बताकर पुणे की 35 साल की महिला के साथ रेप किया। आरोपी की पहचान 40 साल के हृषिकेश वैद्य के रूप में हुई है। अधिकारियों ने बताया कि हाल ही में नासिक में एक अन्य स्वयंभू बाबा अशोक खरात की गिरफ्तारी के बाद पीड़िता ने हिम्मत जुटाकर शिकायत दर्ज कराई। नासिक पुलिस ने 18 मार्च को 67 साल के ज्योतिषी अशोक खरात को 35 साल की महिला से बार-बार रेप करने और ब्लैकमेल करने के आरोप में गिरफ्तार किया था।

पति ने बीच सड़क पत्नी का गला काटा

कर्नाटक। कर्नाटक में एक व्यक्ति ने बीच सड़क पत्नी की हत्या कर दी। उसने पहले पत्नी का गला काटा, फिर SUV से कुचल दिया। घटना के 2 वीडियो सामने आए है। घटना कलबुर्गी जिले के बल्लूरगी गांव के पास की है। वीडियो में आरोपी पत्नी के बाल पकड़कर उसे पीटता दिख रहा है, जबकि महिला मदद के लिए चीखती नजर आती है।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में भाजपा-कांग्रेस विधायकों में हाथापाई

राहुल को पप्पू कहा, खामेनेई की तस्वीर लहराई, सीएम बोले- ईरान पर युद्ध थोपा

प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में शुक्रवार को ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत को लेकर प्रदर्शन हुआ। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता खामेनेई की तस्वीर लेकर सदन के अंदर पहुंचे और समर्थन में नारेबाजी की। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेताओ ने खामेनेई के पोस्टर भी लहराए। इस बीच, सदन में कांग्रेस और बीजेपी नेताओं के बीच धक्का-मुक्की का भी वीडियो सामने आया। हालांकि, ये विवाद भाजपा नेताओं के राहुल पर कमेंट को लेकर था। कांग्रेस विधायक

- जम्मू-कश्मीर विधानसभा में एनसी के नेताओं ने खामेनेई के पोस्टर दिखाए।

इरफान हाफिज पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारे लगा रहे थे। जवाब में भाजपा विधायक युद्धवीर सेठी ने कहा, 'राहुल गांधी पप्पू हैं।' इसके बाद दोनों नेताओं में हाथापाई होने लगी। वहीं, ईरान युद्ध पर सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा- ईरान पर यह युद्ध थोपा गया। मानवता की हत्या हुई है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक तनवीर सादिक ने कहा, हम ईरान के साथ खड़े हैं। हमारी पार्टी और जम्मू-कश्मीर की सरकार उनके साथ खड़ी है। जैसे CM उमर अब्दुल्ला ने पिछली बार सिविल सोसाइटी में अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या की निंदा की थी। वैसे ही, आज हम सब यहां खड़े हैं। हम समझते हैं कि जिस तरह से खामेनेई को मारा गया, किसी भी देश को दूसरे देश पर हमला करने का कोई हक नहीं है। मुझे लगता है कि देश की टॉप लीडरशिप को इसकी निंदा करनी चाहिए। हम ईरान के लोगों का सपोर्ट कर रहे हैं। कश्मीर घाटी में ईरान के समर्थन में करोड़ों रुपए का चंदा जुटाया गया है।

देश में लॉकडाउन नहीं लगेगा : सरकार

एलपीजी प्रोडक्शन 40% बढ़ा, ईरान जंग पर पीएम की मुख्यमंत्रियों के साथ हुई बैठक

अफवाह

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को कहा है कि देश में लॉकडाउन नहीं लगेगा। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू समेत तीन मंत्रियों ने लॉकडाउन की खबरों को गलत बताया है। पेट्रोलियम मंत्रालय की जॉइंट सेक्रेटरी सुजाता शर्मा ने भी कहा- लॉकडाउन से जुड़ी अफवाहें पूरी तरह गलत हैं। हमारे पास पर्याप्त कच्चे तेल का भंडार है। करीब दो महीने के लिए ईंधन उपलब्ध है। पेट्रोलियम मंत्रालय के मुताबिक, देश की सभी रिफाइनरी 100 फीसदी कैपेसिटी से काम कर रही हैं। देश में घरेलू LPG प्रोडक्शन 40% बढ़ा है। पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़ाए गए हैं। वहीं पश्चिम एशिया संकट को लेकर PM नरेंद्र मोदी की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मुख्यमंत्रियों के साथ मीटिंग जारी है। इसमें राज्यों की तैयारियों और योजनाओं की

समीक्षा की जा रही है। मीटिंग में चुनाव वाले 5 राज्यों को शामिल नहीं किया गया है क्योंकि वहां आचार संहिता लागू है। यहां के मुख्य सचिवों के साथ कैबिनेट सचिवालय के जरिए अलग से बैठक की जाएगी। इधर, केंद्र सरकार ने पश्चिम एशिया संघर्ष पर नजर रखने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रियों का एक ग्रुप बनाया है।

रूसी राष्ट्रपति ने कहा था- जंग की तुलना कोविड से की जा रही

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा था कि खाड़ी जंग के दोषियों सहित कोई भी व्यक्ति दुनिया पर इसके पड़ने वाले परिणामों का अनुमान नहीं लगा सकता।

पेट्रोलियम मंत्रालय की 4 बड़ी बातें

- **कीमतें बढ़ीं, सप्लाई प्रभावित:** पश्चिम एशिया के संघर्ष से क्रूड ऑयल और पेट्रोलियम उत्पाद महंगे हुए, सप्लाई चेन पर असर पड़ा।
- **भारत के पास पर्याप्त स्टॉक:** देश में अगले 2 महीनों के लिए कच्चा तेल उपलब्ध है। LPG, LNG और PNG की सप्लाई भी पहले की तरह जारी है।
- **रेस्टोरेंट, ढाबों को प्राथमिकता दी गई:** सरकार ने पहले कॉमर्शियल सप्लाई घटाई, फिर धीरे-धीरे बढ़ाकर अब 70% तक कर दी। 14 मार्च से अब तक 30,000 टन LPG सप्लाई की गई। रेस्टोरेंट, ढाबों को प्राथमिकता दी गई है।
- **अफवाहों से पंपों पर भीड़:** कुछ जगहों पर लंबी कतारें दिखीं, लेकिन सरकार ने साफ किया है कि देश में पेट्रोल-डीजल या गैस की कोई कमी नहीं है।

तैयारी : अभी 450किमी तक निशाना साधने वाली मिसाइल मौजूद, ऑपरेशन सिंदूर में इस्तेमाल हुआ था

सेना 800 किमी रेंज वाली ब्रह्मोस क्रूज-मिसाइल खरीदेगी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय सेना 800 किमी से ज्यादा रेंज वाली ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल खरीदने की तैयारी में है। फिलहाल सेना के पास 450 किमी तक मारक क्षमता वाली ब्रह्मोस मिसाइल मौजूद है। न्यूज एजेंसी ANI के मुताबिक, रक्षा अधिकारियों ने बताया कि सेना इस नए वर्जन का बड़ा ऑर्डर देने की योजना बना रही है। रक्षा मंत्रालय की उच्चस्तरीय बैठक में इस प्रस्ताव को जल्द मंजूरी मिल सकती है। मई 2025 में भारत-पाकिस्तान जंग के दौरान ऑपरेशन सिंदूर में ब्रह्मोस मिसाइल का इस्तेमाल किया गया था। भारतीय सेनाओं ने पाकिस्तान एयरफोर्स के कई ठिकानों को निशाना बनाया था। अब 800 किमी की रेंज वाले नई मिसाइलों के आने के बाद दिल्ली से ही पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद को निशाना बनाया जा सकेगा। दिल्ली और इस्लामाबाद की हवाई दूरी 700 किमी है। नई पीढ़ी के युद्ध को देखते हुए सेना बड़े पैमाने पर ड्रोन और मिसाइल शामिल कर रही है।

> *भारतीय सेना एक समर्पित मिसाइल फोर्स बनाने और मिसाइलों की संख्या बढ़ाने पर काम कर रही है।*

भारत-रूस का संयुक्त प्रोजेक्ट है ब्रह्मोस

ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल भारत और रूस का संयुक्त प्रोजेक्ट है, जिसका अधिकांश हिस्सा अब स्वदेशी हो चुका है। यह मिसाइल तीनों सेनाओं के पास है और इसे हवा, समुद्र और जमीन से हमले के लिए इस्तेमाल किया जाता है। ब्रह्मोस को भारत के रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) और रूस के फेडरल स्टेट यूनिटरी इंटरप्राइज NPOM के बीच साझा समझौते के तहत विकसित किया गया है। ब्रह्मोस एक मध्यम श्रेणी की स्टील्थ रैमजेट सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है। इस मिसाइल को जहाज, पनडुब्बी, एयरक्राफ्ट या फिर धरती से लॉन्च किया जा सकता है। रक्षा विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, ब्रह्मोस का नाम भगवान ब्रह्मा के ताकतवर शस्त्र ब्रह्मास्त्र के नाम पर दिया गया। हालांकि कुछ रिपोर्ट्स में ये भी दावा किया गया है कि इस मिसाइल का नाम दो नदियों भारत की ब्रह्मपुत्र और रूस की मोस्कवा नदी के नाम पर रखा गया है। ऐसा माना जाता है कि ये एंटी-शिप क्रूज मिसाइल के रूप में दुनिया में सबसे तेज है।

पिकअप ट्रेलर में घुसी, 8 की मौत

मरने वालों में 5 महिलाएं और 3 बच्चे, प्रयागराज से मुंडन कराकर लौट रहे थे

- श्रद्धालुओं से भरी पिकअप ट्रेलर में घुस गई। इससे पिकअप के परखच्चे उड़ गए।
- घायलों को एम्बुलेंस की मदद से नजदीकी अस्पतालों में ले जाया गया।
- डॉक्टरों की टीम जिला अस्पताल में घायलों का इलाज कर रही है।

तमसा संकेत, एजेंसी

कौशांबी। कौशांबी में श्रद्धालुओं से भरी एक पिकअप ट्रेलर से टकरा गई। इसमें 8 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 5 महिलाएं और 3 बच्चे शामिल हैं। 29 लोग घायल हैं। सभी प्रयागराज से मुंडन कराकर अपने घर फतेहपुर जा रहे थे। हादसा इतना भीषण था कि घायल पिकअप से उछलकर सड़क पर

जा गिरे। काफी देर तक जमीन पर पड़े तड़पते रहे। मौके पर पहुंचे लोगों ने पुलिस को फोन किया, साथ ही खुद भी घायलों को संभाला। पुलिस ने घायलों को एम्बुलेंस से अस्पताल पहुंचाया। दो लोगों की हालत गंभीर होने पर उन्हें प्रयागराज रेफर किया गया है। 27 घायलों का इलाज जिला अस्पताल और CHC में चल रहा है। हादसा शुक्रवार शाम करीब 4 बजे नेशनल हाईवे पर डोरमा के पास हुआ। सीएम योगी ने मृतकों के घरवालों को 2-2 लाख रुपए की आर्थिक मदद देने की घोषणा की है। साथ ही घायलों को एक-एक लाख रुपए दिए जाएंगे। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने भी हादसे पर दुख जताया है। फतेहपुर जिले के जाफरगंज थाना क्षेत्र के कुरोली गांव निवासी राजन के 2 साल के बेटे शुभम का शुक्रवार को मुंडन संस्कार था। इसके लिए परिवार ने किराए पर पिकअप बुक की। करीब 37 लोग पिकअप से प्रयागराज के संगम पहुंचे। मुंडन के बाद सभी घर लौट रहे थे। रास्ते में डोरमा पेट्रोल पंप के पास सड़क किनारे एक ट्राला खड़ा था। इसी दौरान तेज रफ्तार पिकअप अनियंत्रित होकर पीछे से ट्राला में जा घुसी।टक्कर इतनी जोरदार थी कि पिकअप के परखच्चे उड़ गए। बताया जा रहा है कि पिकअप ड्राइवर को झपकी लगने से हादसा हुआ।

>> (शेष पेज 04 पर)

सम्पादकीय

भाजपा ने दिखाया आरक्षण विरोधी चेहरा

कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी की तबीयत इन दिनों खराब है। दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। उनके बेटे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी लगातार अस्पताल में अपनी मां के साथ बने हुए हैं। उन्होंने बुधवार को केरलम का चुनावी दौरा भी रद्द कर दिया, क्योंकि उन्हें अपनी मां की तबियत की फिक्र थी। ऐसे मौके पर भी भाजपा राजनीतिक वार करने से बाज़ नहीं आई। जब सोनिया गांधी अस्पताल में भर्ती हुईं, उसी वक्त कांग्रेस पार्टी को 24 अकबर रोड पर बने कार्यालय को खाली करने का नोटिस भेज दिया गया। इसके अलावा यूथ कांग्रेस को भी दफ्तर खाली करने का नोटिस भेजा गया। हालांकि कांग्रेस का नया दफ्तर इंदिरा भवन से चल रहा है, लेकिन 24 अकबर रोड का ऐतिहासिक महत्व है, जिसे भाजपा खत्म करना चाहती है। इधर भाजपा के गोड्डा से सांसद निशिकांत दुबे ने सोनिया गांधी के इलाज में भी राजनीति का मौका तलाश लिया है। उन्होंने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए पूछ लिया कि वह अपनी मां का ऐसे अस्पताल में क्यों इलाज करा रहे हैं जहां आरक्षण व्यवस्था लागू नहीं है। राजनीति निशिकांत दुबे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'राहुल गांधी जी सोनिया गांधी जी का इलाज जिस अस्पताल गंगाराम में हो रहा है वह प्राइवेट अस्पताल है, वहां आरक्षण लागू नहीं है। यदि एम्स में इलाज कराते तो वहां आपको 60 प्रतिशत आरक्षण के डॉक्टर मिलते, क्या आपका भरोसा सरकारी अस्पताल में नहीं है? उनका इलाज भी डॉक्टर अरुप बासु कर रहे हैं जो आरक्षित वर्ग के डॉक्टर नहीं हैं। सोनिया जी के स्वस्थ होने की कामना हम सभी करते हैं, लेकिन आपने कांग्रेस की क्या हालत बनाई है? जार्ज सोरोस के कहने पर आप समाज को बांटकर देश क्यों तोड़ना चाहते हैं? निशिकांत दुबे इससे पहले भी जिस तरह से नेहरूजी और इंदिरा गांधी के बारे में बेसिरपैर की बातें करते रहे हैं, उसमें उनसे किसी सदाशयता या शिष्टता की उम्मीद नहीं है। इस बार सोनिया गांधी के नाम पर उन्होंने राहुल गांधी को घेरने का मौका ढूंढ लिया, लेकिन इसमें दो बड़ी गलतियां सांसद दुबे कर बैठे। एक तो उन्होंने उस एम्स की श्रेष्ठता पर सवाल उठाए, जो भारत में करोड़ों लोगों के लिए इलाज की बड़ी आस है। एम्स के नाम पर नरेन्द्र मोदी ने खूब राजनैतिक रोटियां सेंकी है। कांग्रेस शासनकाल में केवल 7 एम्स थे, हमने देश भर में 20 एम्स बनवाए, ऐसी बातें बोलकर भाजपा अपनी काबिलियत दिखाती है। लेकिन निशिकांत दुबे तो बता रहे हैं कि एम्स में सही इलाज नहीं होता, इसलिए राहुल गांधी ने सर गंगाराम को अपनी मां के इलाज के लिए चुना। निशिकांत दुबे ने सत्ता में बैठकर जिस तरह अपनी ही सरकार द्वारा संचालित एम्स में अच्छे इलाज के लिए संदेह जाहिर किया है, वह राहुल गांधी या कांग्रेस के लिए नहीं बल्कि उनकी पार्टी भाजपा के लिए मुश्किल खड़ी करेगा। जहां तक राहुल गांधी की बात है, तो पिछले साल जनवरी में उन्होंने केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा और दिल्ली की तत्कालीन मुख्यमंत्री आतिशी को पत्र लिखकर एम्स पर करोड़ों लोगों की निर्भरता और उस की बदहाली की तरफ ध्यान दिलाया था। राहुल गांधी ने अपने पत्र में लिखा था कि, 'हाल ही में मैंने देखा कि कड़कड़ाती ठंड में ये लोग मेट्रो स्टेशन के सब-वे के नीचे सोने को मजबूर हैं, जहां पीने के पानी या शौचालय की कोई व्यवस्था नहीं है। चारों ओर कूड़े के ढेर लगे हुए हैं। दिल्ली एम्स में इतनी बड़ी संख्या में मरीजों का आना यह भी दर्शाता है कि लोगों को जहां वे रहते हैं, वहां सस्ती और अच्छी गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। मुझे उम्मीद है कि दिल्ली की मुख्यमंत्री और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मेरे पत्र का संज्ञान लेते हुए इस मानवीय संकट को हल करने के लिए तत्काल कदम उठाएंगे।' राहुल गांधी ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री को लिखे पत्र में कहा, 'इनमें से कई मरीज देश के दूर-दराज इलाकों से आते हैं, अपनी जीवन भर की बचत खर्च करते हैं, और भारत के इस प्रमुख अस्पताल में इलाज के लिए महीनों तक प्रतीक्षा करते हैं। मुझे यकीन है कि आप इस बात से सहमत होंगे कि किसी को भी ऐसी कठिनाई का सामना नहीं करना चाहिए, खासकर तब जब वह पहले से ही गंभीर बीमारी से जूझ रहा हो। दिल्ली एम्स उत्कृष्ट और किफायती इलाज प्रदान करता है, लेकिन मरीजों और उनके परिवारों की स्थिति से पता चलता है कि अब भी करोड़ों भारतीयों के पास बेहतर इलाज की सुविधा उपलब्ध नहीं है। 'इस पत्र से राहुल गांधी के सरोकार स्पष्ट हो जाते हैं कि वे दिल्ली एम्स को उत्कृष्ट मानते हैं और उनकी चिंता के दायरे में करोड़ों परिवार आते हैं। लेकिन निशिकांत दुबे की चिंता यह है कि सोनिया गांधी का इलाज सर गंगाराम में क्यों हो रहा है। और जिस तरह आरक्षण का मुद्दा यहां उन्होंने उठाया, उसमें भी भाजपा का आरक्षण विरोधी चेहरा फिर उजागर हो गया। एक तरफ यूजीसी के नए नियमों के बहाने दलितों और पिछड़ों की हितरक्षा का दिखावा और दूसरी तरफ आरक्षण के हक को कम काबिलियत के समान बताने की खोटी नीयत, यही खेल भाजपा इस समय खेल रही है। जबकि राहुल गांधी जाति जनगणना की मांग ही इसलिए करते हैं ताकि दलित और पिछड़ी आबादी को उसका पूरा हक मिले। आरक्षण की सीमा बढ़े ताकि शिक्षा, नौकरी या जीवन के अन्य क्षेत्रों में दलितों की भागीदारी बढ़े, क्योंकि इसी के बाद समाज में समानता स्थापित हो सकेगी।

अब युद्धविराम को लालायित ट्रंप

> ये ड्रोन रडार की सीमा से नीचे निकल जाते हैं, क्योंकि सिस्टम को इस तरह के खतरे के लिए अपडेट ही नहीं किया गया था। ईरान ने अमेरिका और उसके साथियों को जवाब देने की तैयारी कब से कर रखी थी, ये अब पता चल रहा है। लेकिन मोसाद और सीआईए जो दुनिया की सबसे खतरनाक जासूसी के लिए जानी जाती हैं, उनकी असलियत भी अब सबके सामने आ गई है।

अर्थव्यवस्था के लिहाज से यह लड़ाई अमेरिका को पहले ही महंगी पड़ रही है। इस युद्ध में ईरान अब तक 3 हजार से ज्यादा ड्रोन दाग चुका है, उसके शाहेद ड्रोन की कीमत करीब 20 हजार डॉलर बताई जाती है, जबकि इन्हें गिराने के लिए अमेरिका की जो मिसाइलें इस्तेमाल हो रही हैं, उनकी कीमत 10 लाख डॉलर से भी ज्यादा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पिछले तीन-चार दिनों से युद्धविराम पर कुछ ज्यादा ही जोर दे रहे हैं। इससे पहले तक ट्रंप बारंबार ऐलान कर रहे थे कि युद्ध अब खत्म होने ही वाला है, ईरान को हम बस जीतने ही वाले हैं, ईरान बस अब घुटनों पर आने ही वाला है। लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। ट्रंप को हकीकत का एहसास हो गया कि 28 फरवरी को ईरान पर हमला बोलने और अली खामेनेई की हत्या के बाद वहां अपनी मर्जी का शासक नियुक्त करने और उसके साथ ही ईरानी तेल भंडारों पर कब्जे के जो ख्वाब उन्होंने देखे थे, वो अब पूरी तरह बिखर चुके हैं। इसलिए युद्ध के 26 दिन बीतने के बाद युद्ध छेड़ने वाला अमेरिका पीछे हटता हुआ नजर आ रहा है। लेकिन ट्रंप अपनी अकड़ अब भी बरकरार रखने के लिए दावा कर रहे हैं कि ईरान बातचीत के लिए तैयार है। जबकि ईरान ने किसी बातचीत या उसकी संभावना तक से इंकार कर दिया है। हालांकि नामुमकिन जैसा कोई शब्द राजनीति में नहीं होता, तो हो सकता है कि आज नहीं तो कल ईरान और अमेरिका फिर बातचीत की मेज पर आएं। लेकिन फिलहाल तो इसमें अमेरिका ज्यादा लालायित दिख रहा है, वहीं जख्मी ईरान और ज्यादा पलटवार करने के इरादे दिखा रहा है। ट्रंप की लाचारी की यह पराकाष्ठा है कि भारत-पाकिस्तान समेत आठ देशों में जंग खत्म करने के दावे करने वाले वो खुद अब मध्यस्थ की तलाश में हैं। बताया जा रहा है कि पाकिस्तान ईरान और अमेरिका में बातचीत करवा सकता है, इसमें अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस शामिल हो सकते हैं, लेकिन ईरानी पक्ष से कौन आएगा यह पता नहीं। राजनीतिक विश्लेषण सेवा पाकिस्तान अगर वाकई यह मध्यस्थता करवाता है, तो भारत के लिए यह बड़ी मात होगी। क्योंकि दुनिया में अब तक पाकिस्तान की छवि आक्रांता देश की रही है, जबकि भारत शांतिदूत की भूमिका में रहा है। अब पाकिस्तान अगर भारत का यह ओहदा छीनने में सफल होता है तो यह मोदी सरकार की बहुत बड़ी कूटनीतिक पराजय होगी। अगर मोदी शुरु से नेहरूजी की बनाई विदेश नीति पर चलते तो न उन्हें किसी को गले लगाने या माई डियर फ्रेंड बोलने की जरूरत पड़ती, न बिना बात हाहा-हीही करने की। लेकिन निजी छवि के लिए मोदी ने यही सब किया अब भुगतान पूरा देश कर रहा है। अंग्रेजी का एक जुमला है कि तुम मुझे बताओ कि तुम्हारे दोस्त कौन हैं और मैं तुम्हें बताता हूं कि तुम कौन हो। वैसे मोदी ने लोकसभा और राज्यसभा में मध्यपूर्व की जंग पर अपना संक्षिप्त वक्तव्य देने के बाद बुधवार शाम सर्वदलीय बैठक भी बुलाई है। इसमें वो पहले की बैठकों की तरह अनुपस्थित रहेंगे या सारे दलों के नेताओं से चर्चा करने की हिम्मत दिखाएंगे, ये पता चल ही जाएगा। इस बीच नरेन्द्र मोदी और डोनाल्ड ट्रंप के बीच होर्मुज खुलवाने से लेकर ऊर्जा संकट आदि मुद्दों पर फोन पर चर्चा हुई है। इस बात की जानकारी भी पहले भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने दी और फिर प्रधानमंत्री मोदी ने भी इसके बारे में सोशल मीडिया पर बताया। गोर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अभी प्रधानमंत्री मोदी से बात की। उन्होंने मध्य पूर्व की मौजूदा स्थिति पर चर्चा की, जिसमें होर्मुज स्ट्रेट को खुला रखने का महत्व शामिल है।' कुछ देर बाद प्रधानमंत्री मोदी ने भी एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने कहा कि बातचीत उपयोगी रही। भारत तनाव कम करने और जल्द शांति बहाल करने का समर्थन करता है। होर्मुज स्ट्रेट को खुला, सुरक्षित और सबके लिए पहुंच योग्य रखना वैश्विक स्थिरता के लिए बेहद ज़रूरी है। खुद को लोकतंत्र का रहनुमा बताने वाले इन दोनों नेताओं में जो बातचीत हुई, उसमें कुछ नया नहीं है। इस चर्चा का महत्व तो तब रहता जब मोदी ट्रंप को दो टूक कहने की हिम्मत दिखाते कि आपने युद्ध छेड़कर ठीक नहीं किया और आपके कारण अब हम भी मुश्किल में फंसे हैं। लेकिन ऐसी कोई बात का जिक्र इस चर्चा में नहीं था। बाकी मोदी की हिम्मत पर सवाल इसलिए भी है कि वे लोकसभा और राज्यसभा में अपने साथी सांसदों से कह सकते थे कि मैं इस संकट के बारे में ट्रंप से चर्चा करने वाला हूं। या बात होने के फौरन बाद ही सोशल मीडिया पर जानकारी दे देते। लेकिन उन्होंने पहले सर्जियो गोर की पोस्ट का इंतजार किया, फिर अपनी तरफ से देश को जानकारी दी। ठीक वैसे ही जैसे ऑपरेशन सिंदूर को अचानक रोकने की जानकारी पहले ट्रंप ने दी थी, फिर अमेरिका ने। इसके बाद अगर विपक्ष कहे कि पीएम कॉम्प्रोमाइज़्ड हैं, तो इन्हें बुरा लग जाता है। बहरहाल, 26 दिनों के युद्ध में हजारों मौतें हुई हैं, लाखों परिवार बर्बाद हुए हैं, कई देशों की अर्थव्यवस्थाएं प्रभावित हुई हैं, अरबों का धन बर्बाद हुआ है, दोनों हाथों से संपदा लुटाने वाली धरती को गोले-बारूद की मार से मरणासन्न किया गया है, बेजुबान पशु-पक्षियों, फूलों, पेड़ों, अनगिनत जीव-जंतुओं के अस्तित्व पर बन आई है, नदियां, सागर, पोखर, तालाब जहरीले हो चुके हैं और अब भी जीत की कोई संभावना नहीं दिख रही तो डोनाल्ड ट्रंप बेतुके तर्कों से युद्धविराम की बात कर रहे हैं। हालांकि ईरान शुरु से कहता आया है कि युद्ध वह अपनी शर्तों पर बंद करेगा और खून की आखिरी बूंद तक लड़ेगा। इसलिए इस समय भी उसके हमले तेज हैं और निशाने पर है इजरायल, जो ट्रंप की तरह युद्ध खत्म करने की बात तो नहीं कर रहा, लेकिन इस बारे में खबरें जरूर फैला रहा है। सऊदी अरब के मीडिया अल अरबिया ने इजरायली अखबार येदिओथ अहरोनोथ के हवाले से बताया कि ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने चुपके से अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ को बताया है कि सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने किसी संभावित समझौते तक पहुंचने के लिए बातचीत को मंजूरी दे दी है। यह खबर किसी चुटकुले से कम नहीं है, क्योंकि इजरायल यह तो तय कर ले कि मोजतबा खामेनेई के बारे में उसे दुनिया को क्या बताना है। कभी वह मोजतबा खामेनेई के मरने की बात करता है, कभी उन्हें गंभीर रूप से घायल बताता है और अब कह रहा है कि वे किसी संभावित समझौते के लिए बातचीत करने तैयार हैं। इतनी पलटी मारने के बाद इजरायल की विश्वसनीयता खाक रह गई है और यही हाल ट्रंप का भी है। शुक्रवार को ट्रंप ने कहा था कि युद्ध खत्म होने की कगार पर है, शनिवार को ट्रंप ने 48 घंटे का अल्टीमेटम दे दिया और सोमवार को पांच दिन के सीजफायर की बात कह दी। फिर ये भी कहा कि होर्मुज पर मैं और नया अयातुल्लाह मिलकर नियंत्रण रखेंगे। यानी ट्रंप ने दूसरे तरीके से यह मान लिया कि ईरान में नया सुप्रीम लीडर उन्हें मंजूर है, क्योंकि अब तक तो मोजतबा खामेनेई की हत्या की धमकी ट्रंप और नेतन्याहू दोनों दे रहे थे। दरअसल इन दोनों नेताओं को ये समझ आ गया है कि ईरान के साथ-साथ पूरी दुनिया का जो नुकसान इनकी सनक में हुआ है, उसे अब और ज्यादा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इधर खबर है कि मोजतबा खामेनेई के वरिष्ठ सैन्य सलाहकार मोहसिन रेजाई ने कहा है कि , 'अगर ट्रंप ईरान के बुनियादी ढांचे पर हमला करते हैं।

सर्वमित्रा सुरजन

लद्दाख के लोग ...

विवेक रंजन श्रीवास्तव

विकास की अंधी दौड़ में सुलगता लद्दाख

हिमालय की धवल चोटियों और लद्दाख के सर्द मरुस्थल से उठी सोनम वांगचुक की आवाज आज केवल एक क्षेत्रीय मांग नहीं बल्कि विकास के नाम पर किए जा रहे खनन से कराहती हुई धरती की पुकार है। लद्दाख, जिसे भौगोलिक रूप से 'थर्ड पोल' या दुनिया का तीसरा ध्रुव कहा जाता है, अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान और नाजुक पारिस्थितिकी के कारण वैश्विक जलवायु विमर्श के केंद्र में आ गया है। इस पूरे प्रकरण की जड़ें उस संवैधानिक सुरक्षा की मांग में छिपी हैं, जो भारतीय संविधान की छठी अनुसूची में दर्ज है। इसके पीछे का असली संकट पर्यावरणीय विनाश की आहट है। सोनम वांगचुक ने जब शून्य से नीचे के तापमान में 21 दिनों का 'सात्विक अनशन' शुरू किया तो उनका उद्देश्य केवल राजनीतिक अधिकार प्राप्त करना नहीं था बल्कि उन ग्लेशियरों को बचाना था जो उत्तर भारत की जीवनधारा कहे जाने वाले जलतंत्र के मुख्य स्रोत हैं। लद्दाख की लगभग 97 प्रतिशत आबादी जनजातीय है जिनमें बौद्ध और मुस्लिम समुदायों का अनूठा मिश्रण है। ये जनजातियां सदियों से प्रकृति के साथ एक संतुलित तालमेल बिठाकर जीती आई हैं लेकिन पिछले कुछ दशकों में बढ़ते शहरीकरण, अनियंत्रित पर्यटन और औद्योगिक महत्वाकांक्षाओं ने इस संतुलन को हिला दिया है। वांगचुक द्वारा रेखांकित प्रमुख मुद्दा यह है कि यदि लद्दाख को विशेष संवैधानिक दर्जा नहीं मिलता, तो बाहरी उद्योगों और खनन माफियाओं के लिए इस शांत और संवेदनशील क्षेत्र के द्वार खुल जाएंगे जिससे यहां के ग्लेशियरों का अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। आंकड़ों की दृष्टि से देखें तो हिमालयी क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन की दर वैश्विक औसत से कहीं अधिक तेज है। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि यदि वर्तमान दर से कार्बन उत्सर्जन जारी रहा, तो इस सदी के अंत तक हिंदूकुश-हिमालय क्षेत्र के एक-तिहाई ग्लेशियर पिघल सकते हैं। लद्दाख के लिए यह स्थिति किसी प्रलय से कम नहीं होगी क्योंकि यहां वार्षिक वर्षा नगण्य होती है और पूरी कृषि व्यवस्था ग्लेशियरों से निकलने वाले पानी पर ही टिकी है। वांगचुक ने

अपने प्रयोगों और 'आइस स्तूप' जैसे नवाचारों के माध्यम से यह दिखाया है कि कैसे स्थानीय स्तर पर जल संरक्षण किया जा सकता है लेकिन वे यह भी जानते हैं कि व्यक्तिगत प्रयास तब तक निष्प्रभावी रहेंगे जब तक कि नीतिगत स्तर पर बड़े उद्योगों को इस क्षेत्र से दूर नहीं रखा जाता। लद्दाख में सौर ऊर्जा और पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं लेकिन इनके अंधाधुंध विस्तार से स्थानीय संसाधनों पर भारी दबाव पड़ रहा है। एक अनुमान के अनुसार, लद्दाख में आने वाले पर्यटकों की संख्या वहां की स्थानीय आबादी से कई गुना अधिक पार हो चुकी है जिसके कारण कचरा प्रबंधन और पानी की खपत की समस्या विकराल हो चली है। स्थानीय जनजातीय समुदायों की भूमिका इस पूरे प्रकरण में सबसे महत्वपूर्ण है क्योंकि वे ही इन पहाड़ों के असली संरक्षक हैं। उनकी पारंपरिक जीवनशैली न्यूनतम संसाधनों में अधिकतम संतुष्टि पर आधारित है, जो आज के 'कंज्यूमर कल्चर' के सर्वथा विपरीत है। वांगचुक के इस आंदोलन ने वैश्विक जलवायु न्याय के सिद्धांत को भी मजबूती दी है। वे कहते हैं कि सादा जीवन जिएं ताकि दूसरे जीवित रह सकें। यह दर्शन उन विकसित देशों और बड़े शहरों के लिए एक चेतावनी है जिनकी विलासितापूर्ण जीवनशैली का खामियाजा लद्दाख जैसे दूरदराज के इलाकों के लोगों को भुगतना पड़ता है। लद्दाख के लोग उस कार्बन उत्सर्जन का हिस्सा नहीं हैं जो ग्लेशियरों को पिघला रहा है, फिर भी वे इसके पहले शिकार बन रहे हैं। वांगचुक ने इस विडंबना को बखूबी पकड़ा है और इसे एक जन-आंदोलन में बदल दिया है। उनका तर्क है कि यदि लद्दाख को स्वायत्तता मिलती है, तो स्थानीय परिषदें यह तय कर सकेंगी कि किस तरह का विकास उनके पर्यावरण के अनुकूल है। वे विकास के विरोधी नहीं हैं, बल्कि वे 'सतत संयत विकास' के पक्षधर हैं जो मिट्टी, पानी और हवा की शुद्धता को गिरवी रखकर न किया जाए। इस संघर्ष का एक और गहरा पहलू लद्दाख की सामरिक स्थिति और वहां की भू-राजनीति है। सीमावर्ती क्षेत्र होने के नाते वहां बुनियादी ढांचे का विकास आवश्यक है लेकिन वांगचुक का कहना है कि यह विकास स्थानीय लोगों और प्रकृति की सहमति के बिना नहीं होना चाहिए। जनजातीय समुदायों का अपनी जमीन से गहरा आध्यात्मिक जुड़ाव होता है , और जब बड़े औद्योगिक घराने सौर फार्म या खनन परियोजनाओं के नाम पर इस जमीन का अधिग्रहण करते हैं, तो न केवल पर्यावरण बल्कि एक प्राचीन संस्कृति का भी लोप होने लगता है। आंकड़ों के अनुसार, लद्दाख के कई हिस्सों में ब्लैक कार्बन का स्तर बढ़ रहा है जो बर्फ की सफेदी को कम कर उसे सूरज की रोशनी सोखने के लिए मजबूर करता है जिससे बर्फ तेजी से पिघलती है। यह एक दुष्चक्र है जिसे रोकने के लिए वांगचुक ने अपनी देह को कष्ट देकर गांधीवादी तरीके से दुनिया का ध्यान खींचने का प्रयास किया है। यह समझना आवश्यक है कि सोनम वांगचुक का यह प्रकरण केवल लद्दाख की जीत या हार का मामला नहीं है। यह इस बात का लिटमस टेस्ट है कि क्या आधुनिक लोकतंत्र प्रकृति की पुकार को सुनने की क्षमता रखता है। यदि हम लद्दाख के ग्लेशियरों को नहीं बचा पाए, तो सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र जैसी नदियों का भविष्य अंधकार-मय हो जाएगा जिससे अंततः पूरे भारतीय उपमहाद्वीप की जल एवं खाद्य सुरक्षा खतरे में पड़ जाएगी। जनजातीय लोगों का संघर्ष वास्तव में मानवता के अस्तित्व का संघर्ष है। वांगचुक ने जो मशाल जलाई है, वह हमें याद दिलाती है कि प्रकृति के पास हमारी जरूरतों के लिए पर्याप्त संसाधन हैं, लेकिन हमारे लालच के लिए नहीं।

यह एक राज्य...

रामस्वरूप रावतसरे

क्या फ्रीबीज और कुप्रबंधन की वजह से सिकुड़ गया हिमाचल प्रदेश का बजट?

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने 21 मार्च 2026 को वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 54,928 करोड़ रुपए का बजट पेश किया जो पिछले वर्ष के 58,514 करोड़ रुपए से 3,586 करोड़ रुपए कम है। इसके साथ ही हिमाचल प्रदेश के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है कि बजट का आकार घटा दिया गया। पिछले वर्ष जहाँ बजट 58,514 करोड़ रुपए था, वहीं इस बार इसे घटाकर 54,928 करोड़ रुपए कर दिया गया। यह लगभग 4,000 करोड़ रुपए की कटौती बताई जा रही है। जानकारों के अनुसार यह कटौती महज संख्यात्मक नहीं बल्कि राज्य की अर्थव्यवस्था की गंभीर बीमारी का प्रतीक है। बजट का कम होना केवल एक आँकड़ा नहीं है बल्कि यह राज्य की आर्थिक स्थिति की गंभीरता का संकेत है। आमतौर पर राज्यों का बजट हर साल बढ़ता है क्योंकि विकास कार्य, महंगाई और जनसंख्या की जरूरतें बढ़ती हैं लेकिन यहाँ उल्टा हुआ यानी सरकार के पास खर्च करने के लिए संसाधन कम पड़ गए। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने अपने वेतन में 50 प्रतिशत, उपमुख्यमंत्री और मंत्रियों के वेतन में 30 प्रतिशत, विधायकों के वेतन में 20 प्रतिशत की कटौती की घोषणा की है। ग्रुप-ए और ग्रुप-बी अधिकारियों के वेतन का 3 प्रतिशत, मुख्य सचिव, एसीएस, पीएस और डीजीपी स्तर के अधिकारियों का 30 प्रतिशत तथा अन्य उच्चाधिकारियों का 20 प्रतिशत वेतन अगले छह महीनों के लिए स्थगित किया गया है। बोर्ड-निगम के चेयरमैन, वाइस चेयरमैन और सलाहकारों के वेतन में भी 20 प्रतिशत कटौती होना बताया गया है। ग्रुप-सी और डी कर्मचारी तथा पेंशनभोगी इससे अछूते रहेंगे लेकिन न्यायपालिका से भी सहयोग की अपील की गई है। वित्त पर नजर रखने वालों के अनुसार यह फैसला 'वित्तीय अनुशासन' के नाम पर लिया गया है लेकिन वास्तविकता

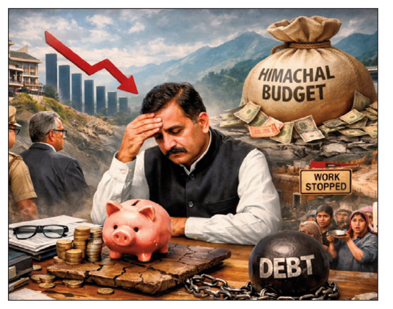

यह है कि कॉन्ग्रेस सरकार की अकर्मण्यता, चुनावी फ्रीबीज के जाल और कुप्रबंधन ने राज्य के खजाने को खोखला कर दिया है। कमाई के स्रोत सूख गए हैं जबकि खर्च दिन-प्रतिदिन बढ़ते जा रहे हैं। यह एक राज्य का हाल नहीं है बल्कि कॉन्ग्रेस शासित कर्नाटक और डीएमके शासित तमिलनाडु भी इसी रास्ते पर चल रहे हैं। कॉन्ग्रेस ने 2022 के विधानसभा चुनाव में हिमाचल प्रदेश में सत्ता हासिल करने के लिए भारी-भरकम वादे किए थे जिसमें पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) की बहाली, महिलाओं को 1,500 रुपए मासिक भत्ता, 300 यूनिट मुफ्त बिजली, युवाओं को रोजगार, किसानों को एमएसपी और बागवानी को बढ़ावा देना शामिल था। सुखविंदर सिंह सुक्खू ने इन वादों को 'जनहित' का नाम देकर लागू किया लेकिन इनकी लागत राज्य की क्षमता से कहीं ज्यादा थी। ओपीएस की बहाली अकेले 1,000 करोड़ रुपए सालाना अतिरिक्त बोझ डाल रही है जो मात्र 1.36 लाख कर्मचारियों को लाभ देती है। महिलाओं के भत्ते, मुफ्त बिजली और अन्य सब्सिडी ने राजस्व व्यय को आसमान छू लिया। पिछले तीन वर्षों में कॉन्ग्रेस सरकार ने लगभग 45,000 करोड़ रुपए का नया कर्ज लिया, कुल कर्ज 1 लाख करोड़ रुपए के पार पहुँच गया। ब्याज अदायगी अकेले 13 रुपए प्रति 100 रुपए व्यय में जा रही है।

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने...

डॉ0 रामा तक्षक

गुलामों के व्यापार से मानवाधिकार तक

असतो मा सदगमय की उक्ति से इस आलेख की शुरुआत करना चाहता हूँ लेकिन नैतिकता के नाते उपनिषद का इस आशय का रेखांकन सटीक नहीं है। हाँ, यह वाक्य उन व्यक्तियों के लिए इतनी अर्थपूर्णता लिए हुए है जो जीवन में अंधेरे से प्रकाश की ओर चलना चाहते हैं। यह उक्ति उन व्यक्तियों के लिए कोई मायने नहीं रखती जो सिर्फ लालच के लिए जीवन में, कुछ भी कर बैठने को तैयार रहते हैं। जिनका एक मात्र उद्देश्य धन कमाना है और जिनके लिए मानवीय मूल्यों के कोई मायने नहीं हैं। ऐसे लोगों की अहम भरी महत्वाकांक्षाओं के आगे व्यक्ति गणित की एक इकाई भर है जिसे रौंद कर, अपनी महत्वाकांक्षा को और विस्तार देना, एक यश गाथा का गान है। यह महत्वाकांक्षा एक सम्प्रभु राष्ट्र को रौंदने तक को राजी है। ईरान युद्ध, यूक्रेन युद्ध, 7 अक्टूबर को इजरायल में नरसंहार, गाजा पर बम्बारी, ताईवान पर चीन की पैनी नजर, इसी अहम और महत्कांक्षा के ज्वलंत उदाहरण हैं। ऐसे उदाहरणों की एक बहुत लम्बी सूची इतिहास के पन्नों में दर्ज है। यह सब गुलाम बनाने के क्रम का ही चक्र है। यह इतिहास का एक गले से न उतरने वाला ऐसा काला सच है कि समाज में गुलामी एक सामाजिक घटना रही है। इस घटना की पृष्ठभूमि में धन के बल पर धनिक व्यक्ति, एक व्यक्ति को अपनी संपत्ति घोषित कर देते थे। नीदरलैंड ने पौधरोपण और अन्न उगाने के लिए, गुलामों के व्यापार करने में और दासप्रथा को स्थापित करने में बहुत निकृष्ट भूमिका निभाई है। यह नीदरलैंड्स के इतिहास का काला अध्याय है जिस पर नीदरलैंड्स का हर नागरिक आज शर्म से सिर झुका लेता है। यदि इतिहास के पन्नों को उठाकर देखें तो असल में गुलामों के व्यापार में सात गणराज्यों के संयुक्त नीदर-लैंडस ने 17वीं और 18वीं शताब्दी में बहुत सक्रिय भूमिका निभाई है। उस समय के जो सात संयुक्त गणराज्य नीदरलैंडस में थे, वे सभी गुलामों के व्यापार में सक्रिय थे। जीलैंड संयुक्त नीदरलैंड्स का एक गणराज्य था। उसके नागरिक व्यक्तिगत तौर पर भी गुलामों के व्यापार में शामिल थे। यह व्यापार एक भौगोलिक त्रिकोणीय स्वरूप का व्यापार था। इसमें, डब्ल्यू आई सी यानी वेस्ट इंडिया कंपनी तथा एम सी सी यानी मिडलबर्ग कमर्स कम्पनी के जहाज गुलामों की खरीद के लिए जीलैंड बन्दरगाह से पश्चिमी अफ्रीका की यात्रा किया करते थे। वहाँ से गुलामों की

खरीदारी कर, गुलामों को पौधरोपण या वृक्षारोपण के काम करवाने के लिए दक्षिण अमेरिका ले जाया गया। दक्षिण अमेरिका से ये खाली जहाज नीदरलैंड लौट आते थे।

यह एक ऐसा त्रिकोणीय यात्रा चक्र था जिसके विषय में उन दिनों नीदरलैंड्स का आमजन अनभिज्ञ था। गुलामों की व्यापार की शुरुआत इतिहास के पन्नों में 1637 से दर्ज है। शुरुआत में तो यह व्यापार इतना लाभकारी नहीं था। इससे इतना अधिक धन नहीं कमाया जाता था लेकिन, कालान्तर में गुलामों का व्यापार इतना फला फूला कि यह गोरखधन्धा लगभग सवा सौ साल तक चलता रहा। अन्ततः इस पर 1863 में प्रतिबन्ध लगा। सवा सौ साल की यात्रा बहुत लम्बी है। यह यात्रा लंबी होने के साथ-साथ दर्द और चीत्कार से भरी है। कुछ तथ्यों पर विश्वास करें तो गुलामों की व्यापार की यह प्रक्रिया 1579 में ही शुरू हो गई थी। कहते हैं कि इस सिलसिले में केवल 1803 तक की अवधि में लगभग 5,50,000 गुलाम पुरुष व महिलाओं को अफ्रीका से जहाजों के द्वारा उत्तर और दक्षिण अमेरिका ले जाया गया। 1621 से लेकर 1730 तक डब्ल्यू आई सी का गुलामों के व्यापार पर लगभग एकाधिकार था। यह एकाधिकार जैसे ही हटा तो निजी कंपनियां भी गुलामों के व्यापार में शामिल हो गई। अधिकतर गुलामों को नीदरलैंड वालों ने सूरीनाम भेजा। सूरीनाम 1667 में नीदरलैंड का उपनिवेश बन गया था। इसके अलावा गुलामों को ब्राजील भी भेजा गया। साथ ही गुलामों के व्यापार में कूरासाओ टापू ने भी एक ट्रांजिट बिंदु के रूप में बहुत अहम भूमिका निभाई। यहाँ यह संकेत देना बड़ा दिलचस्प है कि तत्समय, ज्यादातर डच लोग इस सवाल में कदापि यह रूचि नहीं रखते थे कि आखिर अफ्रीका में ही गुलाम कहां से आ गए ? इन्हें इस तरह के प्रश्नों से कोई लेना-देना नहीं था। डच लोगों या व्यवसायियों द्वारा बनाए गए गुलामों के द्वारा यह कहीं भी संकेत नहीं मिलता कि अफ्रीकी लोगों ने खुद को गुलाम बनाने के लिए कोशिश की। गुलामों के व्यापार में सक्रिय लोगों का मानना था कि अफ्रीका के स्थानीय व्यापारी गुलामों के व्यापारी ही गुलामों का सौदा करवाते थे इतिहास के पन्नों में ऐसे भी संकेत मिलते हैं कि यदि कभी दुर्घटनावश किसी अफ्रीकी का अपहरण कर लिया गया तो उसके परिणाम डच गुलामों के व्यापारियों को बहुत कुछ झेलने पड़ता था। गुलामों के व्यापार में लगे डच जहाजों का अफ्रीकी बिचौलियों द्वारा बायकाट किया जाता था। कई कई बार तो उन्हें कई महीनों तक बंदरगाह के पास भी फटकने नहीं जाता था। एक बार तो ऐसा भी हुआ कि एक अपहरण किए गए अफ्रीकी को पौधारोपण के काम से हटाकर, गुलामी से मुक्त कर, पश्चिम से वापस अफ्रीका लाया गया ताकि गुलामों के व्यापार में आया व्यवधान टल सके और आगे कोई खतरा ना बने। बहुत से लोगों की तो ऐसी सोच रही कि अफ्रीका में माता-पिता अपने बच्चों को, पति अपनी पत्नी को और एक भाई अपने भाई को गुलामों के दलालों को बेच देता था। ये ऐसी कपोल कल्पित और मनगढ़ंत कहानियां हैं जिन पर विश्वास नहीं होता है। इन कपोल कल्पित मनगढ़ंत कहानियों को असलियत की जांच से मुंह मोड़ने की ओर इशारा है। दूसरे शब्दों में इन मनगढ़ंत कहानियों पर विश्वास कर लेना, सच्चाई से अपनी आंखें बंद कर लेना है। यह तो स्पष्ट है कि 19वीं शताब्दी तक गुलामों के व्यापार का अफ्रीका ही केंद्र क्यों बना ? इसका अध्ययन तत्समय नहीं किया गया। लेकिन बाद में चलकर अंग्रेजी नौसेना के सियरा लेओन में तैनात जहाज पर रहते हुए एक जर्मन भाषाविद कोले को इजाजत दी गई कि वह अफ्रीकी गुलामों के व्यापार में संलिप्त जहाजों की जांच करे। एक अन्य तथ्य जो गुलामों के व्यापार में संलिप्त डच लोगों के बहुत ही क्रूरतापूर्ण व्यवहार को प्रदर्शित करता है। यह तथ्य कि गुलाम बनाए गए लोगों को व्यापारिक वस्तुओं की तरह नहीं बल्कि एक ब्रांड्स के निशान से गुलाम की त्वचा को झुलस दिया जाता था। एक गुलामों के व्यापारी का आँखों देखा वर्णन पढ़कर बेहद कष्ट होता है। यह वर्णन उस समय का है, जब गुलामों पर लोहे की सलाखों को गर्म कर, उनकी त्वचा पर ब्रांडिंग की जाती थी। उस गुलामों के व्यापारी का लिखना है कि ''उस खुले आँगन में, उस जगह पर मांस की जलने की बदबू आ रही है। हर तरफ आतंक और दर्द का रोना है। यह 19वीं शताब्दी के शुरुआत की बात है।''

आईओसी ने 2028 लॉस एंजेल्स खेलों से बैन लगाया, बायोलॉजिकल फीमेल ही हिस्सा ले पाएंगी

ट्रांसजेंडर वुमन अब महिलाओं के साथ ओलिंपिक नहीं खेल सकेंगी

ज्यूरिख, एजेंसी

इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी (IOC) ने कहा है कि 2028 के लॉस एंजिल्स ओलिंपिक से ट्रांसजेंडर महिलाएं को अब महिला कैटेगरी के इवेंट्स में हिस्सा लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी। नई नीति के मुताबिक अब सिर्फ बायोलॉजिकल फीमेल्स यानी वे महिलाएं जो जन्म से ही महिला हैं, उन्हें ही वुमन कैटेगरी में खेलने की अनुमति होगी। इसके लिए एक बार जीन टेस्ट (SRY जीन स्क्रीनिंग) कराना जरूरी होगा, जिससे लिंग की पुष्टि की जाएगी। यह टेस्ट थूक, गाल के स्वैब या ब्लड सैंपल से किया जा सकता है। वहीं, जो एथलीट जन्म के समय महिला थे, लेकिन अब खुद को ट्रांसजेंडर पुरुष (Trans Men) मानते हैं, वे महिला

स्पर्धाओं में खेलना जारी रख सकते हैं। अब तक IOC ट्रांसजेंडर महिलाओं को टेस्टोस्टेरोन लेवल कम होने की शर्त पर खेलने की अनुमति देता था या फैसला व्यक्तिगत खेल संघों पर छोड़ दिया जाता था। IOC की प्रेसिडेंट कर्स्टी कोवेंट्री ने इस फैसले का समर्थन करते हुए कहा कि ओलिंपिक जैसे बड़े मंच पर जीत और हार के बीच बहुत मामूली अंतर होता है। उन्होंने कहा, 'ओलिंपिक खेलों में बेहद छोटा फासला भी जीत और हार तय कर सकता है। ऐसे में बायोलॉजिकल पुरुषों का महिला कैटेगरी में मुकाबला करना सही नहीं होगा।

नया नियम केवल प्रोफेशनल खेलों पर लागू

IOC अब सभी खेलों के लिए एक एकसमान नीति चाहता है, ताकि खेल संगठन अलग-अलग नियम न बनाएं। कई खेल संगठनों ने पहले ही ट्रांसजेंडर एथलीट्स पर पाबंदी लगा रखी है। यह बदलाव खेलों में निष्पक्षता यानी फेयर कॉम्पिटिशन सुनिश्चित करने के लिए किया गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पिछले साल फरवरी में एक एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पास किया था। इसमें लॉस एंजिल्स ओलिंपिक में ट्रांसजेंडर महिलाओं को वीजा न देने की बात कही गई थी। यह नियम केवल प्रोफेशनल खेलों पर लागू होगा, जमीनी स्तर (ग्रासरूट) के खेलों पर इसका असर नहीं पड़ेगा।

पेरिस ओलिंपिक में 66 किलो वेट में इटली की एंजेला कैरिनी ने अल्जीरिया की इमान खलीफ (लाल ड्रेस में) के जेंडर को लेकर सवाल उठाया था।

एसएएफएफ यू20 चैंपियनशिप में भारत ने पाकिस्तान को हराया

विशाल-ओमांग के गोल से मिली जीत, सेमीफाइनल में जगह पक्की

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय अंडर-20 फुटबॉल टीम ने SAFF U20 चैंपियनशिप 2026 में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की है। गुरुवार को माले के नेशनल स्टेडियम में खेले गए ग्रुप-बी के मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 3-0 से हराया। इस जीत के साथ ही भारत ने सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है, वहीं लगातार दूसरी हार के बाद पाकिस्तान टूर्नामेंट से बाहर हो गया है। शुरुआती गोल खाने के बाद पाकिस्तान ने वापसी की कोशिश की और कई बार भारतीय डिफेंस को चुनौती दी। पाकिस्तान की टीम दो बार बराबरी करने के करीब पहुंची, लेकिन भारतीय गोलकीपर सूरज सिंह अहीबम ने शानदार सेव करके उन्हें रोक दिया। नजीबुल्लाह और खोबैब खान के खतरनाक हमलों को सूरज ने अपनी

सतर्कता से नाकाम कर दिया। सूरज के इन बचावों ने मैच में भारत की पकड़ को कमजोर नहीं होने दिया। दूसरे हाफ में भारतीय टीम ने अपनी रणनीति बदली और काउंटर-अटैक पर ध्यान दिया। 64वें मिनट में सैमसन ने डिफेंस से बॉल लेकर ऋषि सिंह की ओर बढ़ाई, जिन्होंने इसे ओमांग डोडम की तरफ पास किया। ओमांग ने पाकिस्तानी गोलकीपर जुलकरनैन से पहले बॉल तक पहुंचकर उसे हेडर के जरिए गोल पोस्ट में डाल दिया। स्कोर 2-0 होने के बाद भारत ने खेल की रफ्तार पर पूरी तरह नियंत्रण कर लिया। मैच के आखिरी मिनटों (88वें मिनट) में प्रशांत जाजो को पेनल्टी एरिया के अंदर गिरा दिया गया, जिस पर रेफरी विरेंध राय ने भारत को पेनल्टी दी। ओमांग डोडम ने पावरफुल स्ट्राइक के साथ इस पेनल्टी को गोल में बदला और अपना दूसरा गोल पूरा किया। इसी के साथ भारत ने 3-0 से मैच अपने नाम कर लिया। भारत की इस जीत ने ग्रुप-B का समीकरण साफ कर दिया है। पाकिस्तान अब रेस से बाहर है। अब ग्रुप में टॉप पर कौन रहेगा, इसका फैसला शनिवार को भारत और बांग्लादेश के बीच होने वाले मैच से होगा। भारत को ग्रुप टॉपर बनने के लिए बांग्लादेश के खिलाफ सिर्फ एक पॉइंट (ड्रॉ) की जरूरत है।

फास्ट न्यूज

खेती पर असर से महंगी हो सकती हैं खाने-पीने की चीजें

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी ईरान संघर्ष का असर अब वैश्विक कृषि क्षेत्र पर भी साफ दिखने लगा है। होर्मुज जलडमरूमध्य में आपूर्ति बाधित होने से उर्वरकों की कमी गहराने लगी है, जिससे दुनियाभर के किसानों की लागत बढ़ रही है और आने वाले समय में खाद्य कीमतों में तेजी की आशंका जताई जा रही है।

बोमन ईरानी पर भड़कीं मंदाना करीमी

एक्ट्रेस-मॉडल मंदाना करीमी ने एक्टर बोमन ईरानी के इंस्टाग्राम वीडियो पर रिएक्ट करते हुए उन पर निशाना साधा। दरअसल, हाल ही में बोमन ईरानी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के ईरानियों से बातचीत वाले बयान पर मजाकिया वीडियो पोस्ट किया था। इस पर मंदाना ने कमेंट करते हुए सवाल उठाए। एक्ट्रेस ने लिखा, "बोमन ईरानी सर... अचानक आपको ईरान के बारे में बहुत कुछ कहने की जरूरत महसूस होने लगी है। समय भी बड़ा दिलचस्प है। कई सालों से ईरान में लोगों को गिरफ्तार किया जा रहा है, उन्हें फांसी दी जा रही है, उनकी आवाज दबाई जा रही है। हजारों लोग मारे गए, परिवार टूट गए और हम जैसे लोगों ने यह सब झेला है, इस पर बात भी की है, लेकिन अब... एक वीडियो आया है, अब चिंता दिख रही है। अब गैस, ट्रम्प और 'मेरे घर आओ' जैसी बातों पर मजाक हो रहा है।"

न्यूयॉर्क के रेस्टोरेंट्स में अब 'रिजर्वेशन वॉर'

न्यूयॉर्क। अमेरिका में रेस्टोरेंट इंडस्ट्री बदलाव से गुजर रही है। यहां के पॉश रेस्टोरेंट में टेबल मिलना अब "किस्मत' नहीं, बल्कि 'सब्सक्रिप्शन' का खेल बन चुका है। यानी अब जंग स्वाद के लिए नहीं, बल्कि उस मेज को हासिल करने के लिए हो रही है। इसे 'रेस्टोरेंट रिजर्वेशन वॉर' कहा जा रहा है। करीब 11,293 करोड़ के बड़े सौदों और लाखों की मेंबरशिप फीस के बीच मोना पंजवानी जैसे रेस्टोरेंट मालिकों के लिए यह केवल बुकिंग का सवाल नहीं है।

धुरंधर 2 बनी 8वीं सबसे ज्यादा कमाई वाली भारतीय फिल्म

मूवी का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 1067 करोड़ हुआ

मुबंई, एजेंसी

रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर 2 (धुरंधरः द रिवेंज) 1,067 करोड़ रुपए के वर्ल्डवाइड कलेक्शन के साथ 8वीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन गई। इसने पठान (1,055 करोड़ रुपए) और कल्कि 2898 एडी (1,042 करोड़ रुपए) को पीछे छोड़ दिया। ट्रेड वेबसाइट सैकनिल्क के अनुसार, रिलीज के आठवें दिन (गुरुवार) फिल्म ने भारत में 49.70 करोड़ रुपए का नेट कलेक्शन किया। धुरंधर 2 का भारत में कुल नेट कलेक्शन 674.17 करोड़ रुपए और ग्रॉस कलेक्शन 805.32 करोड़ रुपए हो गया। ग्रॉस कलेक्शन टिकट से कुल कमाई और नेट कलेक्शन टैक्स के बाद की कमाई होता है। ओवरसीज में फिल्म ने 261.92 करोड़ रुपए कमाए, जिससे वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन 1,067.24 करोड़ रुपए पहुंच गया। धुरंधर के पहले पार्ट ने भारत और अंतरराष्ट्रीय बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया और दुनियाभर में करीब 1,307 करोड़ रुपए कमाए। भारत में फिल्म का ग्रॉस कलेक्शन 1,005.85 करोड़ रुपए रहा, जबकि नेट कलेक्शन लगभग 840 करोड़ रुपए हुआ। वहीं, 894.49 करोड़ रुपए की कमाई के साथ ही यह हिंदी भाषा में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनी थी।

आठवें दिन हिंदी वर्जन ने सबसे ज्यादा 46 करोड़ रुपए कमाए। तेलुगु में 2.50 करोड़, तमिल में 90 लाख, कन्नड़ में 20 लाख और मलयालम में 10 लाख रुपए का कलेक्शन हुआ।

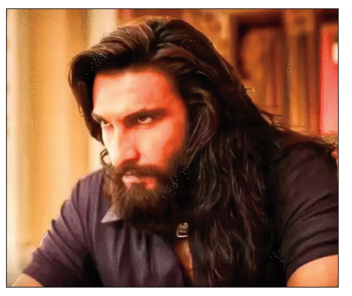

रणबीर की फिल्म 'रामायण' को लेकर नया अपडेट

हनुमान जयंती पर दिखेगी भगवान राम की अगली झलक, मेकर्स ने किया कन्फर्म

मुबंई, एजेंसी

2026 की बड़ी फिल्मों में शामिल 'रामायण' को लेकर नया अपडेट आया है। फिल्म में भगवान राम की अगली झलक 2 अप्रैल यानी हनुमान जयंती को दिखाई जाएगी। इसके साथ ग्लोबल लेवल पर फैंस के साथ सेलिब्रेशन होगा। राम नवमी के दिन यानी 27 मार्च को फिल्म के को-प्रोड्यूसर नमित मल्होत्रा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर ग्रैंड रिवील की जानकारी दी। पोस्ट में उन्होंने लिखा, "शुभ राम नवमी। यह एक ऐसी कहानी है जो हम सभी की है और जो भी कदम हम उठा रहे हैं, वह पूरी जिम्मेदारी, श्रद्धा और समर्पण के साथ उठाया गया है, ताकि हमारी अपनी रामायण को उसकी सच्ची भावना और भव्यता के साथ पूरी ईमानदारी से जीवंत किया जा सके।" उन्होंने आगे लिखा, "हम 'राम' की अगली झलक को 2 अप्रैल, हनुमान जयंती के शुभ अवसर पर शेयर करने के लिए उत्सुक हैं, जहां हम अपने कई सालों की मेहनत को एक ग्रैंड वर्ल्ड रिवील के जरिए फैंस के साथ शेयर करेंगे और इस खास पल को पूरी दुनिया में सेलिब्रेट करेंगे। आपके प्यार,

विश्वास और धैर्य के लिए धन्यवाद।" फिल्म का फर्स्ट लुक भारत सहित दुनिया के कई स्थानों पर दिखाया गया था, जिसमें टाइम्स स्क्वायर पर भी इसकी झलक दिखाई गई। इससे पहले फिल्म का फर्स्ट लुक भारत के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी प्रदर्शित किया जा चुका है। खास तौर पर अमेरिका के टाइम्स स्क्वायर पर इसकी झलक दिखाए जाने के बाद फिल्म ने वैश्विक स्तर पर ध्यान खींचा था। 'रामायण' को लेकर दर्शकों के बीच पहले से ही जबरदस्त उत्सुकता बनी हुई है। पौराणिक कहानी को आधुनिक तकनीक और भव्यता के साथ बड़े पर्दे पर देखने की उम्मीद ने इस फिल्म को 2026 की सबसे चर्चित फिल्मों में शामिल कर दिया है।अब सभी की निगाहें 2 अप्रैल पर टिकी हैं, जब भगवान राम के किरदार की नई झलक सामने आएगी और फिल्म को लेकर एक और बड़ा अध्याय खुल जाएगा। फिल्म की टीम के मुताबिक, यह रिवील कई सालों की मेहनत और तैयारी का परिणाम है, जिसे अब दर्शकों के सामने लाने की तैयारी पूरी हो चुकी है।

फिल्म दो भागों में रिलीज होगी

यह फिल्म दो भागों में रिलीज होगी और ग्लोबल लेवल पर बड़े पैमाने पर तैयार की जा रही है, जिसका निर्देशन नितेश तिवारी कर रहे हैं। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी सीता, यश रावण, सनी देओल हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण के रोल में नजर आएंगे। फिल्म को नमित मल्होत्रा के प्राइम फोकस स्टूडियोज, DNEG और यश की मॉन्स्टर माइंड क्रिएशन्स बना रहे हैं। फिल्म IMAX पर रिलीज होगी, जिसमें पहला भाग दिवाली 2026 और दूसरा भाग दिवाली 2027 में आएगा।

बालेन शाह सबसे युवा प्रधानमंत्री बने

रैप गाकर दिया पहला मैसेज, मधेश क्षेत्र से आने वाले पहले पीएम

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल में शुक्रवार को बालेन्द्र (बालेन) शाह ने प्रधानमंत्री पद की शपथ ले ली है। 35 साल के बालेन देश के सबसे कम उम्र के पीएम बने। उन्होंने सांसद पद की शपथ लेने के बाद अपना पहला संदेश रैप गाने के जरिए जारी किया, जिसमें उन्होंने भ्रष्टाचार, सिस्टम में बदलाव और युवाओं का जिक्र किया। बालेन की पार्टी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (RSP) ने 5 मार्च के चुनाव में जीत दर्ज की थी। कार्यवाहक प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने कहा कि देश का भविष्य अब युवाओं के हाथ में है और नई सरकार से भ्रष्टाचार खत्म करने की उम्मीद है। नई सरकार में मंत्रिमंडल का भी गठन शुरू हो गया है। सुधन गुरुंग को गृह मंत्री बनाया गया है, जिन पर देश की आंतरिक सुरक्षा और कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी होगी। वहीं शिशिर खनाल को विदेश मंत्री का पद दिया गया है,

जो नेपाल की कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय संबंधों को संभालेंगे। लेकिन इस बार स्थिति बदलती गईं। रवि लामिछाने के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (RSP) ने अकेले बहुमत हासिल कर लिया। RSP 2022 के राष्ट्रीय चुनाव में चौथी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। इस बार RSP को 275 में से 182 सीटें मिलीं।

मधेस क्षेत्र से आने वाले देश के पहले पीएम बालेन

बालेन पहले काठमांडू के मेयर थे। पिछले साल दिसंबर में उन्होंने पद से इस्तीफा दे दिया था और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी में शामिल हो गए थे। नेपाल की राजनीति में यह इलाका लंबे समय से प्रतिनिधित्व और पहचान को लेकर चर्चा में रहा है, ऐसे में बालेन का प्रधानमंत्री बनना राजनीतिक संतुलन के नजरिये से भी अहम माना जा रहा है।

दो-तिहाई बहुमत से जीती बालेन शाह की पार्टी

नेपाल में आमतौर पर गठबंधन सरकारें बनती रही हैं, जहां दो या अधिक दल मिलकर बहुमत बनाते हैं। नेपाल में पिछले चुनावों में नेपाली कांग्रेस और नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (यूनाइटेड मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के बीच मुख्य मुकाबला होता था। लेकिन इस बार स्थिति बदलती गईं। रवि लामिछाने के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (RSP) ने अकेले बहुमत हासिल कर लिया।

बालेन मधेस क्षेत्र से आने वाले पहले प्रधानमंत्री बने हैं। मधेश क्षेत्र नेपाल का वह इलाका है जो देश के दक्षिणी हिस्से में भारत की सीमा के साथ फैला हुआ है। इसे तराई क्षेत्र भी कहा जाता है। यहां रहने वाले लोगों को मधेशी कहा जाता है।

नायरा ने पेट्रोल ₹5 और डीजल ₹3 महंगा किया

नई दिल्ली। ईरान जंग के बीच नायरा एनर्जी का पेट्रोल 5 प्रति लीटर और डीजल में 3 महंगा हो गया है। अब भोपाल में पेट्रोल की कीमत 111.72 रुपए और डीजल 94.88 रुपए पर पहुंच गया है। नायरा एनर्जी की ओर से की गई यह बढ़ोतरी अलग-अलग राज्यों में वहां के लोकल टैक्स और वैट के हिसाब से अलग-अलग हो सकती है। कुछ राज्यों में पेट्रोल की कीमतों में 5.30 प्रति लीटर तक का इजाफा देखा गया है। नायरा के देशभर में करीब 7 हजार पेट्रोल पंप है। हालांकि, सरकारी तेल कंपनियां जैसे IOCL, HP और BP ने दाम नहीं बढ़ाए हैं। केंद्र सरकार ने बुधवार को कहा कि हमारे पास कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। देश में किसी भी पेट्रोल पंप पर पेट्रोल और डीजल की कमी नहीं है। इसलिए कीमतों में बढ़ोतरी नहीं होगी। भले ही सामान्य पेट्रोल-डीजल के दाम सरकारी कंपनियों ने न बढ़ाए हों, लेकिन पिछले हफ्ते प्रीमियम पेट्रोल के दाम 2 रुपए प्रति लीटर बढ़े थे। इसके अलावा, फैक्ट्रियों और बड़े यूजर्स को बेचे जाने वाले 'बल्क डीजल' के दाम 22 रुपए प्रति लीटर बढ़ाए थे। दिल्ली में प्रीमियम पेट्रोल 99.89 रुपए से बढ़कर 101.89 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

ईरान ने हमें 10 तेल टैंकर गिफ्ट किए : ट्रम्प

पाकिस्तानी झंडे वाले जहाज हॉर्मुज के रास्ते भेजे

तेल अवीव/वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया था कि ईरान ने 10 तेल टैंकरों को गुजरने दिया, यह उनकी तरफ से गिफ्ट है। इन टैंकरों पर पाकिस्तान का झंडा था और ईरान इससे भरोसा जीतना चाहता था। उन्होंने कहा कि ईरान ने भरोसा दिखाने के लिए 8 बड़े तेल टैंकरों को गुजरने दिया और बाद में 2 और भेजे। वहीं, ट्रम्प ने कहा कि ईरान के ऊर्जा ठिकानों पर हमले 10 दिन के लिए टाल दिए हैं। नई डेडलाइन अब 6 अप्रैल तय की गई है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ईरान के एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर फिलहाल कार्रवाई नहीं करेगा और 10 दिन की मोहलत दी गई है। उन्होंने बताया कि यह फैसला इसलिए लिया गया है ताकि दोनों देशों के बीच चल रही बातचीत को आगे बढ़ने का मौका मिल सके। इससे पहले भी ट्रम्प ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमले

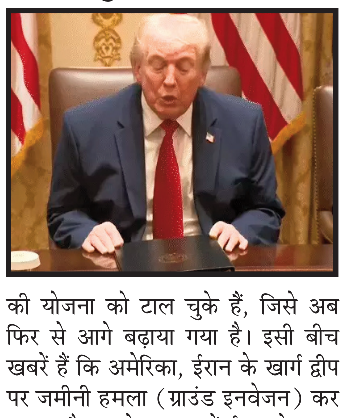

की योजना को टाल चुके हैं, जिसे अब फिर से आगे बढ़ाया गया है। इसी बीच खबरें हैं कि अमेरिका, ईरान के खार्ग द्वीप पर जमीनी हमला (ग्राउंड इनवेजन) कर सकता है। इसके जवाब में ईरान ने बाब-अल-मंदेब स्ट्रेट को बंद करने की चेतावनी दी है। बाब-अल-मंदेब रेड सी का एंट्री प्वाइंट है। यह रेड सी को अरब सागर से जोड़ता है। स्वेज नहर तक जाने वाले जहाज इसी रास्ते से गुजरते हैं। दुनिया के करीब 12 प्रतिशत तेल की सप्लाई यहीं से गुजरती है।

निर्देश : स्टील-ऑटो और टेक्सटाइल सेक्टर को प्राथमिकता, रेस्टोरेंट्स के बाद बड़े उद्योगों को 20% अतिरिक्त सप्लाई

केंद्र ने कॉमर्शियल एलपीजी कोटा 50% से बढ़ाकर 70% किया

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार ने देश में जारी गैस संकट के बीच राज्यों को एक बार फिर LPG सप्लाई बढ़ाने का निर्देश दिया है। सरकार ने शुक्रवार (27 मार्च) को कॉमर्शियल LPG सिलेंडर के एलोकेशन यानी कोटा को 50% से बढ़ाकर 70% कर दिया है। इस फैसले का सबसे ज्यादा फायदा उन उद्योगों को मिलेगा जो पूरी तरह LPG पर निर्भर हैं। सरकार ने साफ किया है कि स्टील, ऑटोमोबाइल, टेक्सटाइल और केमिकल जैसे ज्यादा लेबर वाले सेक्टर को प्राथमिकता दी जाएगी। मिडल ईस्ट में चल रहे संघर्ष की वजह से भारत में LPG की सप्लाई चेन प्रभावित हुई थी। इससे निपटने के लिए पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के सचिव डॉ. नीरज मित्तल ने सभी

राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखकर इसकी जानकारी दी। मंत्रालय ने कॉमर्शियल और इंडस्ट्रियल इस्तेमाल के लिए सप्लाई बढ़ाने के लिए यह आदेश जारी किया है। पहले यह कोटा केवल 50% था, जिसे अब बढ़ाकर प्री-क्राइसिस लेवल के 70% तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। सरकार ने इस बढ़े हुए कोटे के साथ एक शर्त भी रखी है।

सरकार की राज्यों को सुधार लागू करने की सलाह

केंद्र सरकार ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से अपील की है कि वे 10% रिफॉर्म-बेस्ड एलोकेशन का तुरंत लाभ उठाएं। अब तक 27 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने नॉन-डोमेस्टिक LPG के लिए आदेश जारी कर दिए हैं। जिन राज्यों ने अभी तक ऐसा नहीं किया है, वहां सरकारी तेल कंपनियां सीधे सिलेंडर रिलीज कर रही हैं।

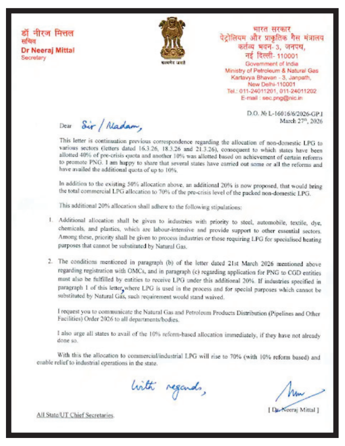

डॉ नीरज मित्तल
सचिव
Dr Neeraj Mittal
Secretary

भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय
कर्तव्य भवन- 3, जनपथ,
नई दिल्ली- 110001
Government of India
Ministry of Petroleum & Natural Gas
Kartavya Bhavan - 3, Janpath,
New Delhi-110001
Tel.: 011-24011201, 011-24011202
E-mail : sec.png@nic.in

D.O. № L-16016/6/2026-GP.I
March 27th, 2026

Dear Sir / Madam,

This letter is continuation previous correspondence regarding the allocation of non-domestic LPG to various sectors (letters dated 16.3.26, 18.3.26 and 21.3.26), consequent to which states have been allotted 40% of pre-crisis quota and another 10% was allotted based on achievement of certain reforms to promote PNG. I am happy to share that several states have carried out some or all the reforms and have availed the additional quota of up to 10%.

In addition to the existing 50% allocation above, an additional 20% is now proposed, that would bring the total commercial LPG allocation to 70% of the pre-crisis level of the packed non-domestic LPG.

This additional 20% allocation shall adhere to the following stipulations:

1. Additional allocation shall be given to industries with priority to steel, automobile, textile, dye, chemicals, and plastics, which are labour-intensive and provide support to other essential sectors. Among these, priority shall be given to process industries or those requiring LPG for specialised heating purposes that cannot be substituted by Natural Gas.
2. The conditions mentioned in paragraph (b) of the letter dated 21st March 2026 mentioned above regarding registration with OMCs, and in paragraph (c) regarding application for PNG to CGD entities must also be fulfilled by entities to receive LPG under this additional 20%. If industries specified in paragraph 1 of this letter, where LPG is used in the process and for special purposes which cannot be substituted by Natural Gas, such requirement would stand waived.

I request you to communicate the Natural Gas and Petroleum Products Distribution (Pipelines and Other Facilities) Order 2026 to all departments/bodies.

I also urge all states to avail of the 10% reform-based allocation immediately, if they have not already done so.

With this the allocation to commercial/industrial LPG will rise to 70% (with 10% reform based) and enable relief to industrial operations in the state.

With regards,

[Dr. Neeraj Mittal]

All State/UT Chief Secretaries.

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने राज्यों को लेटर भेजा है।

6 सेक्टर्स को प्राथमिकता मिलेगी

सरकार के आदेश के मुताबिक, उन उद्योगों को पहले LPG दी जाएगी जहां लेबर यानी मजदूरों की संख्या ज्यादा है और जो दूसरे जरूरी उद्योगों को सपोर्ट करते हैं।

सेंसेक्स 1300 अंक गिरकर 74,000 पर आया

मुंबई। शेयर बाजार में आज यानी 27 मार्च को गिरावट है। सेंसेक्स 1300 अंक (1.70%) की गिरावट के साथ 74,000 पर आ गया है। वहीं निफ्टी में भी 400 अंक (1.60%) की गिरावट है, ये 22,900 पर कारोबार कर रहा है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 27 में गिरावट है। आज ऑटो और बैंकिंग शेयरों में बिकवाली है। आज कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट है। ब्रेंट क्रूड आज 5% बढ़कर 99 डॉलर प्रति बैरल के पार कारोबार कर रहा है। वहीं इंडियन बास्केट की कीमतो में 7% की तेजी है, ये 157 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया है। कल यानी 26 मार्च को शेयर बाजार राम नवमी के चलते बंद था। इससे पहले 25 मार्च को सेंसेक्स 1,205 अंक (1.63%) की तेजी के साथ 75,273 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 394 अंक (1.72%) की तेजी रही, ये 23,306 पर बंद हुआ था। ऑटो, बैंकिंग, मेटल और FMCG शेयर ज्यादा चढ़े। डाउ जोन्स 469 अंक (1.01%) गिरकर 45,960 के स्तर पर बंद हुआ। टेक बेस्ड इंडेक्स नैस्डैक कंपोजिट 2.38% गिरकर 21,408 पर बंद हुआ।

सोने में ₹2,490, चांदी में ₹9 हजार गिरावट

ईरान जंग से 28 दिन में सोना ₹15 हजार सस्ता

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका-इजराइल की ईरान से चल रही जंग के बीच सोने चांदी की कीमतों में लगातार गिरावट जारी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 2,490 रुपए घटकर 1.44 लाख रुपए पर आ गया है। इससे पहले गुरुवार को ये 1.46 लाख पर था। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 9,114 रुपए घटकर 2.25 लाख रुपए पर आ गई है। इससे पहले 26 मार्च को इसकी कीमत 2.35 लाख रुपए किलो थी। अमेरिका-ईरान जंग के कारण सोना 28 दिन में 15,382 और चांदी 41,000 सस्ती हुई है। सोना एक शहर से दूसरे शहर ले जाने में ईंधन और सुरक्षा का खर्च आता है। आयात केंद्रों से दूरी बढ़ने पर ट्रांसपोर्टेशन कॉस्ट बढ़ती है, जिससे स्थानीय दाम बढ़ते हैं। दक्षिण भारत जैसे इलाकों में ज्यादा खपत (करीब 40%) के कारण

ज्वेलर्स बड़ी मात्रा में सोना खरीदते हैं, जिससे छूट का फायदा ग्राहकों को कम दाम में मिलता है। हर राज्य और शहर के अपने ज्वेलरी एसोसिएशन (जैसे तमिलनाडु में मद्रास ज्वेलर्स एसोसिएशन) होते हैं, जो स्थानीय मांग और सप्लाई के आधार पर सोने का रेट तय करते हैं। पुराना स्टॉक और खरीद मूल्यः ज्वेलर्स ने स्टॉक किस रेट पर खरीदा है, यह मायने रखता है। जिनके पास पुराने और सस्ते रेट का स्टॉक होता है, वे ग्राहकों से कम कीमत ले सकते हैं।

मलाइका ने सोराब बेदी संग डेटिंग रूमर्स पर तोड़ी चुप्पी

एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा ने सोराब बेदी के साथ डेटिंग की अफवाहों को खारिज किया। उन्होंने कहा कि उन्हें फिलहाल पार्टनर की जरूरत नहीं है और वे अपनी पर्सनल ग्रोथ पर ध्यान दे रही हैं। दरअसल, हाल ही में कर्ली टेल्स को दिए इंटरव्यू में मलाइका ने अपने रिलेशनशिप स्टेटस को लेकर चल रही चर्चाओं पर बात की।

उन्होंने कहा, कभी-कभी ये इरिटेटिंग होता है, लेकिन अब मैं इसे मजाक की तरह लेती हूं। मैं इसे ज्यादा महत्व नहीं देती।

मलाइका ने यह भी कहा कि इस तरह की अफवाहों पर वह और उनके बेटे अरहान खान हंसते हैं। दरअसल मलाइका का नाम सोराब बेदी से नाम तब जुड़ा जब दोनों का एक कोजी वीडियो वायरल हो गया।

वीडियो में सोराब, मलाइका को गले लगाए कोजी डांस करते दिखे थे। हालांकि इस पर एक्टर ने कहा था कि वो और मलाइका सिर्फ दोस्त हैं और कई सालों से एक-दूसरे को जानते हैं।

मल्टीलेवल पार्किंग पर ₹10 लाख का जुर्माना

मेयर और नगर आयुक्त ने मारा था छापा, 30 को हजरतगंज की पार्किंग का खुलेगा टेंडर

■ मेयर और नगर आयुक्त ने कई लोगों को पार्किंग में मौके पर फटकार लगाई थी।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम ने केडी सिंह बाबू स्टेडियम के पास संचालित पार्किंग पर 10 लाख रुपए का जुर्माना लगा दिया है। यहां 21 मार्च को मेयर सुषमा खर्कवाल और नगर आयुक्त गौरव कुमार ने छापा मारा था। गंदगी और अव्यवस्था मिलने पर यह एक्शन लिया गया। यहां कार बाजार मिलने पर संस्था से सब-लीज करने का भी नोटिस जारी है। मेयर और नगर आयुक्त ने हजरतगंज स्थित मल्टीलेवल पार्किंग में भी छापा मारा था। इस पार्किंग पर नगर निगम ने 21 मार्च को ही कब्जा ले लिया था। यहां पर इसका संचालन करने वाले ठेकादार के लोग मिले थे, जिसपर मेयर ने तुरंत परिसर खाली करने का निर्देश दिया था।

कार बाजार और गंदगी पर नाराजगी जताई

मेयर और नगर आयुक्त के औचक पहुंचने से हजरतगंज पार्किंग परिसर में हड़कंप की स्थिति बन गई। निरीक्षण के दौरान सबसे पहले लिफ्ट बंद पाई गई, जिससे आम लोगों को काफी असुविधा हो रही थी। इसके अलावा पार्किंग के बेसमेंट में अवैध रूप से कार बाजार और गैराज संचालित होता मिला। पार्किंग के सभी फ्लोर पर गंदगी का अंबार देखने को मिला, जिस पर महापौर और नगर आयुक्त ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की थी। उन्होंने अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव एवं जोनल सेनेटरी ऑफिसर कुलदीपक को तत्काल सफाई व्यवस्था दुरुस्त कराने के निर्देश दिए।

छवि खराब करने वाले लोगों पर होगा एक्शन

निरीक्षण के दौरान मेयर सुषमा खर्कवाल ने कहा शहर की जनता का हर शुल्क दे रही है तो उन्हें बेहतर सुविधाएं देना हमारी जिम्मेदारी है। पार्किंग में बुजुर्गों से लेकर हर आयु वर्ग के लोग आते हैं, ऐसे में यदि लिफ्ट खराब रहेगी तो उन्हें अनावश्यक असुविधा का सामना करना पड़ेगा। हजरतगंज जैसे प्रमुख क्षेत्र में देश-विदेश से लोग आते हैं। यदि यहां की पार्किंग में गंदगी और अव्यवस्था मिलेगी तो इससे शहर की छवि भी खराब होगी। इसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता।

फिलहाल, इस पार्किंग पर कोई जुर्माना नहीं लगाया जाएगा। इसका संचालन देखने वाली संस्था के जो लोग मिले थे, उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। इसका पूरा संचालन अब नगर निगम देख रहा है। 30 मार्च को पार्किंग का टेंडर खुलने पर इसको नया संचालक मिलेगा। नगर आयुक्त गौरव कुमार का कहना है कि शहर में जीरो टॉलरेंस पॉलिसी जारी रहेगी। साथ ही वहां बने टॉयलेट भी बंद पाए गए, जिन्हें तुरंत खुलवाकर जनता के लिए

अवैध गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई

निरीक्षण के दौरान पार्किंग में चल रहे गैराज और कार बाजार को तत्काल प्रभाव से सील करा दिया गया। मेयर के निर्देश पर संबंधित लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई शुरू की गई। छापेमारी के दौरान मौके से लैपटॉप एवं अन्य उपकरण भी जब्त किए गए, जिससे अवैध गतिविधियों के संचालन के प्रमाण मिले हैं।

उपयोगी बनाने के निर्देश दिए गए। मेयर ने कहा कि नागरिक सुविधाओं में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मेयर और नगर आयुक्त की टीम ने हजरतगंज स्थित मल्टीलेवल पार्किंग का भी निरीक्षण किया। यहां नगर निगम ने उसी दिन कब्जा ले

“केडी सिंह बाबू स्टेडियम के सामने स्थित मल्टीलेवल पार्किंग पर भी हालात संतोषजनक नहीं पाए गए थे। पार्किंग परिसर में गंदगी फैली हुई थी और यहां भी अवैध रूप से कार बाजार और गैराज संचालित होता मिला था। पार्किंग में लंबे समय से खड़ी 50 गाड़ियों पर भी कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था।”

लिया था। निरीक्षण के दौरान पार्किंग का संचालन करने वाले ठेकेदार के कर्मचारी मौके पर मिले, जिस पर मेयर ने उन्हें तुरंत परिसर खाली कराने के निर्देश दिए। हालांकि, इस मामले में फिलहाल कोई जुर्माना नहीं लगाया गया है, लेकिन संबंधित संस्था के कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। निरीक्षण के दौरान पार्किंग स्थल पर बने सार्वजनिक शौचालय भी बंद पाए गए। इस पर अधिकारियों ने तत्काल उन्हें खुलवाकर आम जनता के उपयोग के लिए चालू कराने के निर्देश दिए।

सऊदी अरब के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

जन्नतुल बकी के दोबारा निर्माण की उठी मांग, मौलाना बोले- कब्र तोड़ना आतंकी कृत्य

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद शिया मुसलमानों ने सऊदी अरब के शासन के खिलाफ आसिफी मस्जिद में विरोध प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने सऊदी हुकूमत के खिलाफ नारेबाजी करते हुए हाथों में विरोध और आतंकवाद विरोधी तख्तियां लेकर नाराजगी जाहिर की। प्रदर्शन के दौरान कुछ लोगों ने सऊदी के प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की तस्वीर जलाकर विरोध जताया। वहीं, भीड़ ने अमेरिका, इजरायल और सऊदी अरब के खिलाफ नारे भी लगाए। इस दौरान जन्नतुल बकी के पुनर्निर्माण की मांग भी उठाई। प्रदर्शन को देखते हुए बड़े इमामबाड़ा के बाहर बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात की गई थी। सऊदी अरब के शहर मदीना में स्थित जन्नतुल बकी का कब्रिस्तान है। वहां पर पैगंबर-ए- इस्लाम की बेटी हजरत फातिमा जेहरा की कब्र को सऊदी शासन ने ध्वस्त कर दिया था। इसी को लेकर प्रदर्शनकारियों प्रदर्शन किया, और तोड़े गए मजारों के दोबारा बनाने की मांग की है। इसके लिए शिया मुसलमान सऊदी हुकूमत के खिलाफ हर साल आज के दिन दिन प्रदर्शन करते हैं। शिया धर्मगुरु मौलाना कल्बे जवाद ने प्रदर्शन कर रहे शिया मुसलमानों को संबोधित किया। इस दौरान सऊदी हुकूमत मुर्दाबाद के नारे लगे। मौलाना कल्बे जवाद ने सऊदी शासन को कड़े शब्दों में निंदा की। उन्होंने कहा- जन्नतुल बकी शिया अकीदे के लिहाज से सबसे अहम कब्रिस्तान है। जब तक सऊदी अरब जन्नतुल बकी कब्रिस्तान में स्थित पैगम्बर-ए-इस्लाम की पुत्री और उनके नातियों की कब्रों को फिर से निर्माण नहीं करवा देता।

फास्ट न्यूज

मुख्यमंत्री का सचिव बनकर ठगी

लखनऊ। लखनऊ में खुद को मुख्यमंत्री का सचिव बताने वाले दो लोगों ने युवक को मेडिकल कॉलेज में टेंडर दिलाने का झांसा देकर करीब 3 लाख रुपए ठग लिए। पीड़ित ने IGRS पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद शासन स्तर से जांच के निर्देश दिए गए हैं। पीड़ित राकेश कुमार यादव के मुताबिक, अशोक कुमार मिश्रा और विजेंद्र प्रताप सिंह नाम के लोगों ने उसे भरोसे में लिया।

बॉडी बिल्डर ने खुद को चाकू मारकर जान दी

मेरठ। मेरठ में एक बॉडी बिल्डर ने खुद को चाकू मारकर जान दे दी। ट्रेनर अपने बड़े भाई इमरान से फोन पर बात कर रहा था। इसी दौरान दोनों भाइयों में किसी बात पर झगड़ा हो गया। कॉल कटते ही उसने घर में रखा चाकू उठाया। अपनी जांघ में तेजी से वार किया। वार इतना तेज था कि चाकू सीधे जांघ को चीरते हुए अंदर नस को काटता चला गया। तेजी से खून बहने लगा। घरवाले उसे पास के प्राइवेट अस्पताल में इलाज के ही ले गए। जहां शाम 4 बजे युवक ने दम तोड़ दिया। सूचना पर पुलिस पहुंची, तो परिजनों ने पोस्टमॉर्टम कराने से इंकार कर दिया। घरवाले मामले में पुलिस की कोई कार्रवाई नहीं चाहते हैं। घटना इंचौली थानाक्षेत्र के लावड़ की है। लावड़ के रहने वाले अलीहसन के 6 बेटे थे। इसमें सबसे छोटे बेटे की 3 साल पहले बीमारी से मौत हो चुकी है। 5वें नंबर का बेटा सलमान था। सलमान का लावड़ में ही अपना पोलेट्री फार्म है।

मेरठ में एक पेट्रोल पंप पर स्टॉक खत्म

मेरठ। मेरठ के हापुड़ अड्डा स्थित भारत पेट्रोल पंप पर शुक्रवार को अचानक पेट्रोल खत्म हो गया। इससे वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। पंप प्रबंधन ने 'पेट्रोल नहीं है' का बोर्ड लगाकर स्थिति स्पष्ट की। पंप कर्मचारियों के अनुसार, शुक्रवार सुबह ही पेट्रोल का स्टॉक समाप्त हो गया था। रामनवमी की छुट्टी होने के कारण मथुरा डिपो से पेट्रोल की सप्लाई समय पर नहीं पहुंच सकी। कर्मचारियों ने बताया कि आम दिनों में पेट्रोल की गाड़ी मथुरा डिपो से आती है।

अखिलेश का भाजपा पर तीखा हमला

बोले-लोकतंत्र नहीं, एकतंत्र पर चल रही सरकार

तमसा संकेत, संवाददाता

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा लोकतंत्र नहीं मानती है। एकतंत्र पर भरोसा करती है। वह संविधान नहीं मनविधान से चलती है। भाजपा कम्युनल एजेंडे के तहत कार्य करती है। भाजपा सरकार ने देश की आर्थिक और विदेश नीति को बर्बाद कर दिया है। जनता में भाजपा की पोल खुल गयी है। भाजपा और उसके नेता अपने आप हारने जा रहे हैं। डॉलर के मुकाबले रुपया लगातार कमजोर हुआ। इन्वेस्टमेंट और एफडीआई नहीं आ रहा है। डीजल, पेट्रोल, गैस सिलेण्डर को लेकर स्थितियां खराब है। अच्छे दिन गायब है। अच्छे दिन का सिलेण्डर लापता हो गया है। भाजपा की सरकार हर मोर्चे पर नाकाम हो चुकी है। शुक्रवार को एक न्यूज चैनल के कार्यक्रम में श्री अखिलेश यादव ने कहा कि इंडिया गठबंधन पूरी तरह से मजबूत है। सीमेंटेड है। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी जी भाजपा का मुकाबला कर रही हैं। हम

उनका समर्थन कर रहे है। भाजपा और उसकी सरकार ने ममता बनर्जी जी को बहुत परेशान किया। बहुत तकलीफ दिया। ईडी, सीबीआई इनकम टैक्स, केन्द्रीय बलों के जरिए परेशान किया। भाजपा ने चुनाव आयोग से मिलकर अधिकारियों को हटवा दिया। 2022 में यूपी विधानसभा चुनाव में क्या चुनाव आयोग ने कोई डीपीजी, चीफ सेक्रेटरी, डीएम, एसपी हटाया था। भाजपा प्रत्याशी के रिश्तेदारों को भी नहीं हटाया गया था। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव आयोग एसआईआर नहीं, एनआरसी करा रहा था। मुखौटा लगाकर एनआरसी करा रहे थे। यूपी में मुस्लिम भाइयों के साथ-साथ हिन्दू भाईयों के भी कागज चेक कर लिये। श्री यादव ने कहा कि हमारे पास डाकूमेंटेड प्रूफ है, भाजपा के लोगों ने वोट कटवाने के लिए फर्जी हस्ताक्षर करके फार्म 7 भरवाएं।

चुनाव आयोग और एजेंसियों पर आरोप

सपा प्रमुख ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए कहा कि उपचुनावों में धांधली हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि वोट कटवाने के लिए फर्जी तरीके अपनाए गए, लेकिन शिकायतों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। साथ ही ईडी, सीबीआई और आयकर विभाग के जरिए विपक्षी नेताओं को परेशान करने का भी आरोप लगाया।

समाजवादी पार्टी ने शिकायत की, लेकिन चुनाव आयोग ने कोई कार्रवाई नहीं की। चुनाव आयोग और सरकार क्या कर रही है। उत्तर प्रदेश में उपचुनाव लूटे गये। वो तस्वीरें और वीडियो आज भी है। चुनाव आयोग ने कार्रवाई नहीं की, भाजपा ने रामपुर उपचुनाव लूटा। अन्य जगहों पर उपचुनाव लूटा। मिल्कीपुर में शिक्षा विभाग के एक भ्रष्ट अधिकारी को भाजपा सरकार ने पीठासीन अधिकारियों को तैनात कराकर वोट डलवाने का टारगेट दिया था। श्री यादव ने कहा कि चुनाव आयोग का काम वोट बढवाना है, वोट कटवाना नहीं। श्री यादव ने कहा कि भाजपा ने यूपी की कानून व्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। एनसीआरबी के आंकड़े से स्पष्ट है कि सबसे ज्यादा अपराध यूपी में हो रहे है। उत्तर प्रदेश में महिलाएं और बेटियां सबसे ज्यादा असुरक्षित हैं। मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री जी के क्षेत्र में खुलेआम, दिनदहाड़े हत्याएं हो रही है। गोरखपुर में एक हत्या पर भाजपा के राज्य सभा सदस्य ने कहा कि अपराधी नहीं पकड़े गये तो राज्यसभा में नंगा कर दूंगा।

30 हजार का इनामी गिरफ्तार

16 साल पहले 4 साथियों के साथ सूरत में की थी डकैती, उसके बाद से फरार चल रहा था

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लंबे समय से फरार चल रहे एक शातिर अपराधी को आखिरकार पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स (STF) ने 30 हजार रुपए के इनामी बदमाश को पीजीआई थाना क्षेत्र के वृंदावन योजना सेक्टर-9 से दबोचा है। आरोपी पिछले 16 साल से गुजरात के सूरत में हुई डकैती के मामले में फरार चल रहा था। गुजरात पुलिस को आरोपी की लोकेशन लखनऊ में मिलने के बाद उन्होंने STF से संपर्क कर मदद मांगी। इसके बाद सूरत क्राइम ब्रांच की टीम, जिसमें सहायक पुलिस निरीक्षक शैलेश राधे बिहारी दूबे शामिल थे, लखनऊ पहुंची और स्थानीय टीम के साथ मिलकर ऑपरेशन को अंजाम दिया। पुलिस टीम ने पहले आरोपी की गतिविधियों पर नजर रखी और फिर सही मौके पर उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान जौनपुर के बदलापुर निवासी शैलेंद्र कुमार सिंह उर्फ राजू सिंह के रूप में हुई है। उसे गुरुवार शाम करीब 5:30 बजे

पकड़ा गया। अपर पुलिस अधीक्षक अवनीश्वर चंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि आरोपी के खिलाफ गुजरात के सूरत स्थित अदाजन थाने में डकैती का मामला दर्ज है। कुछ समय वहां रहने के बाद वह लगातार ठिकाने बदलता रहा और आखिरकार लखनऊ में आकर छिप गया। हालांकि, पुलिस की सतर्कता और तकनीकी निगरानी के चलते उसकी लोकेशन ट्रेस हो गई और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर रही है और उसे संबंधित एजेंसियों को सौंपने की प्रक्रिया चल रही है।लंबे समय तक गिरफ्तारी से बचने के कारण उस पर 30 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह 2009 में नौकरी की तलाश में गुजरात गया था। वहां चार अन्य साथियों के साथ किराए के मकान में रहने लगा। 2010 में सभी ने मिलकर सूरत में डकैती की वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद उसके साथी पुलिस के हत्थे चढ़ गए, लेकिन वह फरार हो गया। डकैती के बाद आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए मुंबई भाग गया। कुछ समय वहां रहने के बाद वह लगातार ठिकाने बदलता रहा और आखिरकार लखनऊ में आकर छिप गया। हालांकि, पुलिस की सतर्कता और तकनीकी निगरानी के चलते उसकी लोकेशन ट्रेस हो गई और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर रही है।

आरएलडी का भव्य सदस्यता अभियान, सैकड़ों लोगों ने थामा पार्टी का दामन

प्रोफेशनल मंच के कार्यक्रम में वकील, प्रधान और युवा बड़ी संख्या में शामिल

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ स्थित राष्ट्रीय लोक दल (RLD) के प्रदेश कार्यालय में गुरुवार को एक भव्य सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय लोकदल उत्तर प्रदेश प्रोफेशनल मंच के तत्वावधान में आयोजित हुआ, जिसकी अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष अंबुज पटेल ने की। कार्यक्रम में अंबुज पटेल की अगुवाई में सैकड़ों लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

उनके प्रयासों से पार्टी का जनाधार लगातार बढ़ता हुआ नजर आ रहा है। इसी क्रम में रायबरेली जिले के अरौरा बुजुर्ग, हरचंदपुर के प्रधान गया प्रसाद लोधी और दीवानी रायबरेली बार एसोसिएशन के अधिवक्ता तुषार भारती ने अपने समर्थकों के साथ RLD का दामन थामा। सदस्यता लेने वालों में नीरज साहू, प्रदीप गौतम, रोहित,

शिवम, शुभांशु, मनीष मोदनवाल, सौरभ भारती, कृष्णा भारती, ऋतिक, कुलदीप गौतम, भारत लाल, मनोज भारती, रोहिता शुक्ला, गंगाराम वर्मा, दिनेश कुमार, अनीश कुमार, राम सुमेर, ऋषिकेश, अरुण भारती और उत्कर्ष आर्य सहित सैकड़ों लोग शामिल रहे।

इस दौरान नवसदस्यों ने पार्टी की नीतियों और विचारधारा से प्रेरित होकर संगठन को मजबूत करने और नेतृत्व को सशक्त बनाने का संकल्प लिया। प्रदेश अध्यक्ष अंबुज पटेल ने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल की नीतियां समाज के हर वर्ग को जोड़ने का कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं, बुद्धिजीवियों और विभिन्न वर्गों का पार्टी से जुड़ना इस बात का संकेत है कि जनता का विश्वास RLD की ओर लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने भरोसा जताया कि आने वाले समय में पार्टी प्रदेश में एक मजबूत और सशक्त विकल्प के रूप में उभरेगी। कार्यक्रम में प्रदेश मीडिया प्रभारी मयंक त्रिवेदी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अवसर पर प्रोफेशनल मंच के उपाध्यक्ष अधिवक्ता सोहेल सिद्दीकी, क्षेत्रीय अध्यक्ष अजय सिंह, मुकेश वर्मा (अवध), सुमित सिंह (अवध अध्यक्ष), कमल श्रीवास्तव (प्रदेश महासचिव) सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

मौत : बुलेट सिर के आरपार, लाश देख पत्नी बेसुध, बेटा एयरफोर्स में है

डॉक्टर ने रिवॉल्वर से गोली मारकर जान दी

■ पुलिस ने मौके से लाइसेंसी रिवॉल्वर बरामद की है। इसमें एक गोली अटकी हुई है।

■ बेड पर खून पसरा था। फोरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य इकट्ठा किए।

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापुर। सीतापुर में एक सीनियर डॉक्टर ने लाइसेंसी रिवॉल्वर से गोली मारकर आत्महत्या कर ली। गोली चलने की आवाज सुनकर पत्नी दौड़कर मौके पर पहुंचीं। देखा पति खून से लथपथ बेड पर औंधे मुंह गिरे पड़े थे। एक गोली उनकी कनपटी को चीरती हुई दूसरी ओर निकल गई थी। पास में रिवॉल्वर पड़ा था। नजारा देखकर पत्नी चीख पड़ीं। चिल्लाकर पड़ोसियों को बुलाया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। घटना शहर कोतवाली क्षेत्र के सिविल

डॉ. राजेंद्र चौधरी, मृतक

लाइन मोहल्ले की शुक्रवार दोपहर करीब 1 बजे की है। पुलिस ने घटनास्थल से रिवॉल्वर को कब्जे में ले लिया है। फॉरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस के अनुसार, घटना के बाद पत्नी को गहरा सदमा लगा है। वह बेसुध हैं और वह कुछ भी बोलने की स्थिति में नहीं हैं। फिलहाल आत्महत्या की वजह सामने नहीं आ सकी है। पड़ोसियों के अनुसार, डॉक्टर अपनी पत्नी के साथ रहते थे। दोनों बेटे बाहर रहते हैं। नौकरानी सुनीता ने बताया कि दो दिन पहले पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था, जिसके बाद दोनों में बातचीत बंद थी। सिविल लाइन मोहल्ले के रहने वाले डॉ. राजेंद्र चौधरी (69) आयुर्वेद के डॉक्टर थे। उनके पास

“सीओ सिटी विनायक भोसले ने बताया- घटना के बारे में पत्नी से पूछताछ की। उन्हें इतना सदमा लगा है कि वह कुछ भी नहीं बोल रही हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही कारणों का खुलासा हो सकेगा। बेटों को सूचना दे दी गई है।”

BAMS की डिग्री थी। खैराबाद में उनकी क्लीनिक थी। डॉ. चौधरी अपनी पत्नी शक्ति चौधरी (65) के साथ घर में रहते थे। पड़ोसियों के अनुसार, उनके दो बेटे हैं। बड़ा बेटा दिवांश, एयरफोर्स में डॉक्टर हैं और खड़गपुर में तैनाती है। जबकि छोटा बेटा उत्तम, लखनऊ से एलएलबी की पढ़ाई कर रहा है। शुक्रवार दोपहर दोनों घर पर ही थे। लंच करने के बाद डॉ. चौधरी फर्स्ट फ्लोर पर अपने कमरे में चले गए। पत्नी नीचे ही कुछ काम करने लगी। दोपहर करीब एक बजे डॉ. चौधरी के कमरे से गोली चलने की आवाज आई। आवाज सुनकर पत्नी दौड़ते हुए फर्स्ट फ्लोर पर उनके कमरे में पहुंची। बेड पर डॉक्टर चौधरी औंधे मुंह गिरे पड़े थे। पूरे बेड पर खून पसरा था। पास ही रिवाल्वर पड़ा था। एक बुलेट कनपटी के आरपार हो चुका था। पत्नी शक्ति, कमरे का नजारा देखकर चीख पड़ी। चिल्लाकर पड़ोसियों को बुलाया।

पृष्ठ 01 का शेष...

ईरान ने मिसाइलों ...

ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाकेर गालिबाफ ने अमेरिका को चेतावनी दी है कि अगर उसने जमीनी सेना उतारी, तो हालात संभालना मुश्किल होगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका अपने सैनिकों की सुरक्षा भी ठीक से नहीं कर पा रहा है, ऐसे में ईरान की जमीन पर उन्हें कैसे सुरक्षित रखेगा। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका मिडिल ईस्ट में अपने युद्धपोत और हजारों सैनिक तैनात कर रहा है और जमीनी कार्रवाई की चर्चाएं तेज हैं। हालांकि, व्हाइट हाउस ने साफ किया है कि फिलहाल अमेरिका की जमीनी सेना भेजने की कोई योजना नहीं है। अबू धाबी में मिसाइल का मलबा गिरने से मारे गए भारतीय नागरिक का शव जल्द भारत लाया जाएगा। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि इस दिशा में भारतीय मिशन काम कर रहा है। MEA के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि पार्थिव शरीर को जल्द भारत भेजने के लिए आवश्यक प्रक्रिया पूरी की जा रही है। भारतीय दूतावास स्थानीय अधिकारियों के साथ संपर्क में है और सभी औपचारिकताओं को तेजी से पूरा किया जा रहा है। सरकार ने कहा है कि प्रभावित परिवार को हर संभव सहायता दी जा रही है। जर्मनी ने रूस पर आरोप लगाते हुए कहा है कि वह ईरान को हमले के टारगेट पहचानने में मदद कर रहा है। फ्रांस में G7 बैठक के दौरान जर्मनी के विदेश मंत्री ने कहा कि रूस मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव का इस्तेमाल यूक्रेन युद्ध से ध्यान भटकाने के लिए कर रहा है। उन्होंने कहा कि रूस ईरान को संभावित हमलों के टारगेट की जानकारी दे रहा है। इससे दोनों देशों के बीच करीबी सहयोग साफ दिखता है। जर्मनी के मुताबिक, मिडिल ईस्ट और यूक्रेन के संघर्ष आपस में जुड़े हुए हैं और इन्हें अलग-अलग नहीं देखा जा सकता। ईरान के नए सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई के सार्वजनिक रूप से नजर न आने पर सरकार ने सफाई दी है। कहा गया है कि वह पूरी तरह स्वस्थ हैं और सुरक्षा कारणों से सामने नहीं आ रहे। ईरान के एक अधिकारी ने कहा कि मौजूदा हालात को देखते हुए सुरक्षा कारणों से खामेनेई सार्वजनिक कार्यक्रमों में हिस्सा नहीं ले रहे हैं, लेकिन वह देश का नेतृत्व कर रहे हैं। खामेनेई पिछले महीने अपने पिता और पूर्व सुप्रीम लीडर अली खामेनेई की हत्या के बाद से सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आए हैं। कुछ रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया था कि शुरुआती हमलों के दौरान उन्हें हल्की चोटें आई थीं, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मिडिल ईस्ट में जारी जंग के बीच यमन के हूती विद्रोहियों ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका और इजराइल ने ईरान पर हमले बढ़ाए, तो वे जंग में उतर सकते हैं। हूती प्रशासन के एक अधिकारी ने कहा कि यमन ईरान के समर्थन में जंग में शामिल हो सकता है। अधिकारी ने इसे धार्मिक, नैतिक और मानवीय जिम्मेदारी बताया। हूतियों ने कहा कि अगर हालात और बिगड़े, तो वे पहले ही हस्तक्षेप कर सकते हैं और बाब-अल-मंदेब स्ट्रेट को बंद करना भी एक विकल्प है। यह स्ट्रेट ग्लोबल शिपिंग के लिए बेहद अहम है और इसके बंद होने से अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर बड़ा असर पड़ सकता है। हालांकि, अभी तक हूती नेतृत्व ने औपचारिक रूप से जंग में शामिल होने का ऐलान नहीं किया है, लेकिन उनकी चेतावनी से क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है। ईरान ने भारतीय बच्चों द्वारा गुल्लक दान करने पर भावुक प्रतिक्रिया दी है। ईरान के भारत स्थित दूतावास ने कहा कि इस मदद को वह कभी नहीं भूलेंगे। दूतावास ने कहा कि भारतीय बच्चों का अपनी गुल्लक दान करना 'प्यार भरा तोहफा' है, जिसे कभी नहीं भुलाया जाएगा। दूतावास ने सोशल मीडिया पर कहा कि छोटे-छोटे बच्चों ने अपने छोटे हाथों से जो मदद दी, वह बेहद खास है और दोनों देशों के रिश्तों की गहराई को दिखाती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक जम्मू-कश्मीर समेत कई जगहों पर बच्चों ने अपनी गुल्लक तोड़कर ईरान के लिए पैसे दान किए। ईरान युद्ध के चलते बढ़ी तेल कीमतों ने रूस की कमजोर पड़ रही अर्थव्यवस्था को राहत दी है। वॉशिंगटन स्थित थिंक टैंक CSIS के विशेषज्ञ बेन काहिल ने कहा, “ईरान संघर्ष का सबसे बड़ा फायदा रूस को हो रहा है।” उनके मुताबिक, रूस अब पहले सस्ते में बिकने वाले अपने कच्चे तेल को पूरी बाजार कीमत पर बेच पा रहा है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, सिर्फ तेल ही नहीं, बल्कि प्राकृतिक गैस और खाद (फर्टिलाइजर) की वैश्विक कमी भी रूस को फायदा पहुंचा सकती है।ईरान दूतावास ने कहा कि यह दया और समर्थन उनके लिए बेहद मायने रखता है और इसे हमेशा याद रखा जाएगा।

पिकअप ट्रेलर ...

डॉक्टरों की टआसपास के लोग मदद के लिए दौड़े हादसे के बाद घायलों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मदद के लिए दौड़े। लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची। घायलों को अस्पताल भेजने के लिए 8 एम्बुलेंस लगाई गईं। अस्पताल ले जाते समय 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि अन्य का इलाज जारी है। हादसे के चलते कुछ देर तक हाईवे पर जाम भी लगा रहा। मृतकों में सुखरानिया (65) पत्नी मुन्ना निवासी बारा, दरसनिया (68) पत्नी बाबूलाल निवासी कुरोली, राजकुमारी (35) पत्नी रामखेलावन निवासी कुरोली, कल्लो (22) निवासी कुरोली, गुड़िया (27) पत्नी मुकेश निवासी कुरोली, ध्रुव (7) पुत्र मोहन निवासी गज्जा का डेरा, मयंक (10) पुत्र मुकेश निवासी कुरोली और अनुज (8) पुत्र लखन निवासी बारा शामिल हैं।

बरेली में पासपोर्ट ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी

बिल्डिंग खाली कराई गई, पुलिस फोर्स, डॉग स्क्वायड टीम कर रही जांच

तमसा संकेत, एजेंसी

बरेली। बरेली के प्रदर्शनी नगर स्थित पासपोर्ट कार्यालय में उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब संस्थान को बम से उड़ाने की धमकी मिली। यह धमकी शुक्रवार सुबह करीब 11:15 बजे कार्यालय के आधिकारिक ईमेल आईडी पर एक मेल के जरिए दी गई। ईमेल देखते ही पासपोर्ट अधिकारियों के होश उड़ गए और तत्काल इसकी सूचना पुलिस प्रशासन को दी गई।

सूचना मिलते ही पुलिस के आलाधिकारी भारी फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए। सुरक्षा की दृष्टि से पूरे कार्यालय परिसर को खाली करा लिया गया है। मौके पर डॉग स्क्वायड और बम निरोधक दस्ते (BDS) को बुलाया गया है, जो बिल्डिंग के कोने-कोने की सघन चेकिंग कर रहे हैं। अचानक हुई इस कार्रवाई और पुलिस की घेराबंदी से पासपोर्ट बनवाने आए आवेदकों और वहां

काम करने वाले कर्मचारियों में दहशत का माहौल है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि ईमेल के सोर्स की जांच की जा रही है और सुरक्षा मानकों के तहत पूरी सावधानी बरती जा रही है। फिलहाल चेकिंग जारी है और अभी तक कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है। पासपोर्ट अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने बताया कि शुक्रवार सुबह 11:15 बजे उनके पास एक ईमेल आया, जिसमें कार्यालय को बम से उड़ाने की सीधी धमकी दी गई थी। मेल में डराने वाली बात यह लिखी थी कि दोपहर 2:00 बजे तक एक 'जहरीले बम' से इस पासपोर्ट कार्यालय को उड़ा दिया जाएगा।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676